



महाराष्ट्र शासन राजपत्र

प्राधिकृत प्रकाशन

वर्ष ८ वे, राजपत्र क्र. ४०] गुरुवार ते बुधवार, ०५-१२, २०२२ : आश्विन, १४-२०, शके १९४४ [पृष्ठे - ५२,

स्वतंत्र संकलन म्हणून फाईल करण्यासाठी या भागाला वेगळे पृष्ठ क्रमांक दिले आहेत.

भाग एक-औरंगाबाद विभागीय पुरवणी

अनुक्रमणिका

भाग एक-शासकीय अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती, अनुपस्थितीची रजा (भाग एक-अ, चार-अ, चार-ब व चार-क यामध्ये प्रसिद्ध करण्यात आलेले आहेत त्याच्याव्यतिरिक्त) केवळ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले नियम व आदेश.

संकीर्ण अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती इत्यादी केवळ २३४३ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले. २३१४

पृष्ठे
—
ते

भाग एक-अ (भाग चार-अ मध्ये प्रसिद्ध करण्यात आले पृष्ठे आहेत त्या व्यतिरिक्त) केवळ औरंगाबाद विभागशी संबंधित असलेले महाराष्ट्र नगरपालिका, जिल्हा परिषदा व पंचायत समित्या, ग्रामपंचायती, नगरपंचायती, नगरपरिषदा, जिल्हा नगरपरिषदा, प्राथमिक शिक्षण व स्थानिक निधी लेखापरीक्षा अधिनियम, या अन्याये काढण्यात आलेले आदेश व अधिसूचना.

संकीर्ण अधिसूचना, नेमणुका, पदोन्नती इत्यादी

१

NOTIFICATION

DISTRICT AND SESSIONS COURT, OSMANABAD

NOTIFICATION

No. HKW/[Admin]/5957/2022-- The Following Judicial Officer's working in this District Osmanabad were

permitted to enjoy the Off/Summer Vacation for the year - 2022 as specified in column No.3 and the period for which they were prevented from enjoying Off / Summer Vacation is mentioned in column No. 4 against their names.

The Off/Summer Vacation for Civil Courts in Osmanabad District was from 09th May, 2022 to 05th June, 2022 [both days inclusiv]

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
1	Shri. M.R.Nerlekar District Judge -1, Osmanabad.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
2	Shri. V.G. Mohite District Judge -2, Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5/06/2022
3	Shri. P.H. Karve, Adhoc District Judge -1, Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5/06/2022

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
4	Shri. D.K. Anbhule District Judge -1, Omerga.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
5	Shri. J.D. Wadne District Judge -1, Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
6	Shri. V.S. Mane, District Judge -1, Bhoom.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

District Court, Osmanabad

Dated :- 27th June, 2022.

K.R. Pethkar,
Principal District Judge, Osmanabad.

२

NOTIFICATION

DISTRIC AND SESSIONS COURT, OSMANABAD

NOTIFICATION

No. HKW/[Admin]/5255/2022-- The Following Judicial Offecer's working in this District Osmanabad were

permitted to enjoy the Off/Summer Vacation for the year - 2022 as specified in column No.3 and the period for which they were prevented from enjoying Off / Summer Vacation is mentioned in column No. 4 against their names.

The Off/Summer Vacation for Civil Courts in Osmanabad District was from 09th May, 2022 to 05th June, 2022 [both days inclusiv]

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
1	Shri. P. B. Pore, Civil Judge, S. D., Osmanabad.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
2	Smt. M. S. Bhadane, Civil Judge, S. D., Osmanabad.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
3	Shri. V. S. Yadav, Member Secretary, D. L.S.A. Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
4	Shri. V. R. Dasari, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
5	Shri. G. A. Deshpande, 2nd Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

Sr. No.	Name of the Judicial Officer	Period Vacation Enjoyed	Period of Vacation prevented
1	2	3	4
6	Smt. S. S. Mane, 3rd Lt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
7	Shri. V. B. Ghadge, 4th Lt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
8	Shri. S. D. Patil, 5th Lt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 &
9	Smt. M. D. Charate, Civil Judge, S. D., Omerga.	30/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 29/05/2022
10	Sou. S. A. Kanshie, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Omerga.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022
11	Shri. I. M. Naikwadi, Civil Judge, S. D. Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
12	Sou. V. B. Patil, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Bhoom.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 23/05/2022 to 05/06/2022
13	Shri. S. G. Borkar, Civil Judge, S. D. Paranda.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
14	Smt. J. N. Yadav, Jt. Civil Judge, S. D. & A.C.J.M., Paranda.	23/05/2022 to 05/06/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 &
15	Smt. N. N. Chintamani, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30- 05-2022 to 05-06-2022
16	Smt. B. M. Kothawale, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	23/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 22/05/2022 & 30- 05-2022 to 05-06-2022
17	Smt. V. B. Shetty, 3rd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	9/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05-06-2022
18	Smt. T. V. Gavai, 4th Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	Nill	09/05/2022 to 05-06-2022
19	Smt. U. S. Ivare, 5th Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Osmanabad.	9/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05-06-2022

20	Shri. V.A. Awaghade, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15-05-2022& 23/05/2022 to 5-06-2022
21	Smt. M. P. Jaswant, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 5-06-2022
22	Shri. R. B. Khandare, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Tuljapur.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
23	Shri. M. T. Bilal, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 5-06-2022
24	Sou. S. S. Chavan, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
25	Shri. A. D. Patil, 3rd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Omerga.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
26	Shri. M. D. Thombre, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	09/05/2022 to 15/05/2022 23/05/2022 to 29/05/2022	16/05/2022 to 22/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
27	Shri. M. D. Kudte, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30-05-2022 to 05-06-2022
28	Smt. R. R. Kulkarni, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
29	Shri. K. K. Khomane, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Kallam.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
30	Shri. D. G. Patwe, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Bhoom.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
31	Shri. S. M. Kolekar, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Washi.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
32	Shri. M. R. Sowani, Jt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	09/05/2022 to 15/05/2022	16/05/2022 to 05/06/2022
33	Shri. S. P. Rachkar, 2nd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	16/05/2022 to 22/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 23/05/2022 to 05/06/2022
34	Shri. I. G. Mahadevkoli, 3rd Lt. Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	09/05/2022 to 22/05/2022	23/05/2022 to 05/06/2022
35	Smt. N. S. Saraf, Civil Judge, J. D. & J.M.F.C., Paranda.	16/05/2022 to 29/05/2022	09/05/2022 to 15/05/2022 & 30/05/2022 to 05/06/2022

जिल्हाधिकारी नांदेड, यांजकडून

अधिसूचना (कलम ११)

मा.जिल्हाधिकारी, नांदेड यांची मान्यता क्र.२०२०/आरबी/डेस्क-३/

सिआर-२४ दि.२३.०६.२०२२

जा.क्र.२०२०/उपविअ/भूसं/मौ.चिकना/सिआर-०२ ज्याअर्थी, समुचित शासन असलेल्या नांदेड जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-याने, भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित नुकसान भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम, २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश “उक्त अधिनियम” असा केला आहे.) याच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून, अधिसूचना क्रमांक-०८ पान क्र.६६ वर दिनांक जानेवारी/फेब्रुवारी २८-०३, २०२१ अन्यथे प्रारंभिक अधिसूचना काढली आहे. आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेल्या जमिनीची, अनुसूची दोन मध्ये अधिक तपशीलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी कार्यकारी अभियंता, उर्ध्व पेनगंगा प्रकल्प विभाग क्र.६ नांदेड विभागाच्या खर्चाने करण्याची आवश्यकता आहे.

आणि ज्याअर्थी, नांदेड (जिल्ह्याच्या) जिल्हाधिकात-याने, कलम १५ च्या पोटकलम (२) अन्यथे दिलेला अहवाल, कोणताही असल्यास, विचारात घेतल्यानंतर, उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमीन संपादीत करण्याची आवश्यकता आहे याबाबत त्याची खात्री पटली आहे; आणि म्हणुन, उक्त अधिनियमाच्या कलम-११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीच्ये, उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमिनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषित करण्यात येत आहे;

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्यथे, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमान्यथे जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, धर्माबाद यास पदनिर्देशित करीत आहे;

संपादित करावयाच्या जमिनीचे वर्णन
गावाचे नांव: मौ. चिकना तालुका: धर्माबाद जिल्हा: नांदेड

अ.क्र.	भूमापन क्रमांक किंवा गट नंबर	क्षेत्र (हे.आर. मध्ये)	सोडुन देण्यात आलेले जमीनीचे आदमासे क्षेत्र चौ.मी.
०१	४८०	०.०५	-
	एकूण	०.०५	-

अनुसूची दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नांव:- अतिरिक्त भूसंपादन प्रस्ताव इसापूर उजव्या कालव्याच्या पुच्छ कालव्यावरील करखेली शाखा कालव्याच्या मातीकाम बांधकाम व अस्तरीकरणासाठी मौ. चिकना ता. धर्माबाद जि. नांदेड. **प्रकल्पाच्या कामाचे वर्णन:-** अतिरिक्त भूसंपादन प्रस्ताव इसापूर उजव्या कालव्याच्या पुच्छ कालव्यावरील करखेली शाखा कालव्याच्या मातीकाम बांधकाम व अस्तरीकरणासाठी मौ. चिकना ता. धर्माबाद जि. नांदेड.

समाजाला होणारे लाभ:- जलसिंचनासाठी.

अनुसूची तीन

पुनर्वसाहत क्षेत्राचे वर्णन

अनु क्र.	भूमापन क्र. किंवा गट नं.	क्षेत्र हेक्टर मध्ये
-	- लागु नाही -	—

अनुसूची - चार

(पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश)

- लागु नाही -

टिप:- उक्त जमिनीच्या नकाशाचे निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी धर्माबाद यांचे कार्यालयात करता येईल.

दिनांक:-२३/०६/२०२२

ठिकाण:- नांदेड.

स्वा/

जिल्हाधिकारी, नांदेड.

४

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी नांदेड, यांजकडून

अधिसूचना (कलम ११) शुद्धीपत्रक

भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना उचित नुकसान भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम -२०१३

क्रमांक २०२१/उपविअ/भूसं/सिआर-०३/दिनांक २१/०९/२०२२. - ज्याअर्थी, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित नुकसान भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम - २०१३ (२०१३ चा ३०) याच्या कलम ३ च्या खंड (इ) च्या परंतुकाद्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्र.संकिर्ण १९/२०१४/प्र.क्र.७७०/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी, २०१५ (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे.) याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम (३) च्या खंड (झेड अॅ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी, एखाद्या जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्रकरीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात अशा जिल्ह्याचा जिल्हाधिकारी हा उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचनेनुसार समुचित शासन असलेल्या, नांदेड जिल्ह्याच्या जिल्हाधिका-यास यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशीलवार वर्णन केलेली जमीन (यात पुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे, असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण यासोबत जोडलेल्या अनुसूची दोनमध्ये दिलेले आहे;

आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीच्ये याद्वारे असे अधिसूचित करण्यात येते की, उक्त जमिनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी, प्रस्तावित भूमि संपादनाच्या अनुंषगाने बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्यास भाग पडणारी कारणे, यासोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत.

आणि ज्याअर्थी, सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश यासोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेला आहे.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल यासोबत जोडलेल्या अनुसूची पाचमध्ये दिलेला आहे;

त्याअर्थी, आता असे घोषित करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणतीही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांकापासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पूर्ण होईल त्या कालावधीपर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमीनीवर कोणताही भार निर्माण करणार नाही.

परंतु, उक्त जमीनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिका-यास विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमूद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देता येईल. परंतु आणखी असे की, जर कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धीपुरस्सर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्याही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिका-याकडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम(५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम,२०१३ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला आहे.) यांच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहित केल्याप्रमाणे भूमि अभिलेखाच्या अद्यावतीकरणाचे काम हाती घेणार असल्याचे व पूर्ण करणार असल्याचे देखील घोषित करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये, समुचित शासन असलेला जिल्हाधिकारी, यांनी उक्त अधिनियमाखाली जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी, नांदेड यास पदनिर्देशित करीत आहे.

अनुसूची एक

संपादीत करावयाच्या जमीनीचे वर्णन

गाव: मौ. मालेगांव तालुका:- अर्धापूर जिल्हा: नांदेड

अनुक्रमांक	भूमापन किंवा गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र हे.आर मध्ये
०१	५४४	०.१७४१ हे.आर

अनुसूची दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे वर्णन:- भूसंपादन प्रस्ताव भाटेगाव शाखा कालव्यावरील गिरगांव पृच्छ यितरीका वरील डावी लघू यितरीका क्र.६ च्या बांधकामासाठी मौ. मालेगांव ता. अर्धापूर जि. नांदेड येथील भूसंपादन करणे बाबत.

समाजाला मिळणारे लाभ:- सुविधा.

अनुसूची तीन

बाधित व्यक्तींचे विस्थापन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची चार

भूसंपादन जनतेच्या पायाभूत सुविधासाठी होत असल्याने सामाजिक

प्रभाव निर्धारण अभ्यास करण्या-या अभिकरणाचा नाही.

अनुसूची पाच

प्रशासकाची नियुक्ती करणे आवश्यक नाही.

टिप - उक्त जमीनीच्या आराखड्याचे उपविभागीय अधिकारी नांदेड प्रशासकिय इमारत, २ रा मजला, चिखलवाडी नांदेड येथील कार्यालयामध्ये निरीक्षण करता येईल.

दिनांक:-२१/०९/२०२२

ठिकाण:- नांदेड

स्वा/-

उपविभागीय अधिकारी तथा

भूसंपादन अधिकारी नांदेड

५

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी हिंगोली, यांजकडून भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ अन्वये समुचित शासनाने वापरवायाच्या नमुन्यामधील मार्गदर्शक तत्वांसंदर्भातील कलम ११ (१)

खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भुसं/बोराळा साठवण तलाव क्र.- ०२/सिआर- ०४ / दिनांक २३/०९/२०२२ - ज्याअर्थी समुचित शासन असलेल्या उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांनी भूमिसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करताना उचित भरपाई मिळण्याचा आणि पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त अधिनियम असा केला आहे.) याच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकारांचा वापर करून अधिसूचना क्रमांक जा.क्र.२०२१/भुसं/बोराळा साठवण तलाव क्र.- ०२/सिआर- ०४ दिनांक १५/११/२०२१ अन्वये प्रारंभिक अधिसूचना काढली आहे. आणि त्याद्वारे असे अधिसूचित केले आहे. यासोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेल्या जमीनीची अनुसूची दोन मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमीनीची अनुसूची दोन अधिक तपशिलवार विनिर्दिष्ट केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी, उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांनी कलम १५ च्या पोट कलम (२) अन्वये दिलेला अहवाल कोणताही असल्यास विचारात घेतलेल्या नंतर उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमीनी संपादित करण्याची आवश्यकता आहे. याबाबत त्यांनी खात्री पटली आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीन्येये उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी उक्त जमीनीची आवश्यकता आहे असे याद्वारे घोषीत करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी अनुसूची तीन मध्ये एक तपशिलवार वर्णन केलेले क्षेत्र हे बाधित कुटूंबियांच्या पुनर्वसन व पुनर्वसाहतीच्या प्रयोजनासाठी पुनर्वसाहत क्षेत्र कुटूंबियांच्या म्हणून निर्धारित केले असल्याचे याद्वारे घोषीत केले जात असून पुनर्वसन व पुनर्वसाहत योजनेचा सारांश अनुसूची चार मध्ये विनिर्दिष्ट केला आहो.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्वये समुचित शासन असलेल्या जिल्हाधिकारी यांनी उक्त अधिनियमा खालील जिल्हाधिका-यांची कार्ये पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी, हिंगोली यांना पदनिर्देशीत केलेले आहे.

अनुसूची एक

जमीनीचे वर्णन

संपादित करावयाच्या जमीनीचे वर्णन

गाव : बोराळवाडी ता.जि. हिंगोली		
अ.क्र.	भूमापन क्र.	संपादित करावयाचे क्षेत्र हेक्टर आरमध्ये
१	१३३	०.१३
२	१३५	०.६३
३	१३६	१.७४
४	१३७	२.८६
एकूण		५.३६

गाव : बोराळा ता.जि. हिंगोली		
अ.क्र.	भूमापन क्र.	संपादित करावयाचे क्षेत्र हेक्टर आरमध्ये
१	२	३.१८
२	३	२.९०
३	५	५.३३
४	६	१.२८
५	७	०.८०
६	८	१.१२
७	९	२.५०
८	१०	१.७३
९	११	०.०२
१०	१२	१.३२
११	१३	०.४२
१२	१४	०.६६
१३	१५	२.४७
१४	४३	६.४४
१५	४४	२.०६
एकुण		३२.२३

अनुसूची दोन

सार्वजनिक प्रयोजनाबाबत विवरण

प्रकल्पाचे नाव	बोराळा साठवण तलाव क्रमांक - ०२
प्रकल्प कार्याचे वर्णन	लघु पाटवंधारे
समाजाला मिळणारे लाभ	कृषि सिंचन, आर्थिक, रोजगार लाभ

अनुसूची तीन

भूमि संपादनाच्या अनुंषंगाने बाधित व्यक्तीचे विस्थापन होत नाही म्हणून अनुसूची तीन लागु नाही.

अनुसूची चार

सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांशः

भूमि संपादनाच्या अनुंषंगाने बाधित व्यक्तीचे विस्थापन होत नाही म्हणून सामाजिक परिणाम निर्धारण अभ्यास करणा-या अधिकरणाचा सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश लागु नाही.

अनुसूची पाच

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल

भूदारकाचे विस्थापन होत नसल्यामुळे प्रशासक नियुक्ती लागु नाही.

टिप : उक्त जमिनीबाबतचे आराखडे व तपशिल उपविभागीय अधिकारी कार्यालय, हिंगोली येथे कार्यालयीन वेळेत निरिक्षण करण्यास उपलब्ध आहे.

(उमाकांत पारधी),
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी, हिंगोली.

६

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमि संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३) मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भ.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-७८/२०२२ दिनांक १२.१०.२०२२ भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३५/२०२२ मो. बावणे पांगरी पा.त. क्र. १२ ता. बदनापूर, जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/३५/२०२२/दिनांक २५/०५/२०२२. ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमि संपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकांचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसुचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाब्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. बावणे पांगरी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१७९	०.१३
२.	१८२	१.१०
	एकुण क्षेत्र	१.२३

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. बावणे पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- बावणे पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- बावणे पांगरी पाझर तलाव क्र. १२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- बावणे पांगरी पाझर तलाव क्र. १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपन सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई

मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-१८/२०२२ दिनांक १२.१०.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३५/२०२२ मौ. बोरगांव पा.त. क्र. ६
ता. जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/०१/२०२१/दिनांक १५/०६/२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्नवसन व पुनरस्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्नवसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थ जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्त जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वरीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वरीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्नवसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीचा भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्नवसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (६) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. बोरगांव-शंभु सावरगाव तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)	गावाचे नाव
१.	३२४	०.७४	बोरगांव
२.	२४	१.२४	शंभु सावरगाव
	एकूण क्षेत्र	१.९८	

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. बोरगांव ता.जि. जालना येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०६ बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- बोरगांव येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०६ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- काळ्वा पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- बोरगांव पाझर तलाव क्र.०६ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ठोराना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासून सुट प्राप्त संदर्भ :- सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक : १५.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

६

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भुमी संपादन, पुनर्वसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-३८/२०२२ दिनांक ०९.०६.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/२५/२०२२ मो. दाभाडी पा.त. क्र.

०९ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/२५/२०२२/दिनांक २९/०६/२०२२. - ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थ जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०९ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल)

याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसुचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भुमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भुमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाब्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुढ्हा असेहोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (६) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. दाभाडी तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१६६	१.००
२.	१६६	१.००
३.	१६६	१.००
एकुण क्षेत्र		३.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. दाभाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- दाभाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता प्रकल्पाचे नाव :- दाभाडी पाझर तलाव क्रमांक ०९ प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- दाभाडी पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिकायाची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

९

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भुमी संपादन, पुर्ववसन पुर्वस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-५०/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/२९/२०२२ मौ. हिस्वन बु. पा.त

ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/२९/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२. - ज्या

अर्थी भुमीसंपादन, पुर्ववसन व पुनर्स्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३

मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुद्रीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुद्रीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुद्रीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापित करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्ववसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन बु.

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	६५	०.६०
२.	६५	०.६०
३.	६४	०.२०
	एकुण क्षेत्र	१.४०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन बु. येथील जमीन पाझार तलावा च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. हिस्वन बु. येथील जमीन पाझार तलावा च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन बु. पाझार तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन बु. पाझार तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोराना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विरक्तापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विरक्तापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासून सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिकायाची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमीनीचा / जमीनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

१०

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुर्ववसन पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३) मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-४९/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२ भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३४/२०२२ मौ. हिस्वन खुर्द. पा.त. क्र. ०४ ता.जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३४/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२. - ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुर्ववसन व पुनरस्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिल्हा उल्लेखी उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुर्ववसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहू अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमीनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या

प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसुचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनरस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशाकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसुचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेहोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम ९० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन खुर्द.

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	६६	१.००
२.	६६	१.००
३.	६६	०.४०
	एकूण क्षेत्र	२.४०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझार तलाव क्र. ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता.

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. हिस्वन खुर्द. येथील जमीन पाझार तलाव क्र. ४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन खुर्द पाझार तलाव क्र. ०४

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन खुर्द पाझार तलाव क्र. ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपन सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

११

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भूमी संपादन, पुनर्वसन पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई

मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-४७/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२८/२०२२ मौ. घाटी हिस्वन खुर्द

पात.क्र. ०२ ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२८/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२. - ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३

मधील पोटकलम (३) अन्यथे प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसूल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.१७१/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्यथे सार्वजनीक प्रयोजनार्थ जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्ह्यातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाक्षय प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीचा भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबाजारीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिकार्याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यथे जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यथे भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्यथे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. घाटी हिस्वन खुर्द तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	८१	०.६०
२.	८१	०.६०
एकुण क्षेत्र		१.२०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. घाटी हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. घाटी हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता प्रकल्पाचे नाव :- घाटी हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्रमांक ०२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- घाटी हिस्वन खुर्द पाझर तलाव क्रमांक ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारण :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिकायाची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमीनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून
(भूमी संपादन, पुर्वसन पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)
मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र. ४८/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२
भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२७/२०२२ मौ.हिस्वन खुर्द पा.त.
ता.जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२७/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२.- ज्या
अर्पी भूमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३
मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र
शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/
सी.आर.५७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “
उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व
पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क
अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना
संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थ जमीन संपादन करताना
(सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील
५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या
जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या
वर्तीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या
वर्तीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी
अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी
असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक
प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे.
(यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल)
याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे
सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या
प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक
आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ
भूमी संपादीत करताना भूद्याकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत
जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ
भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१)
नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनरस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती
आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना
प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली
कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या
भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही
बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने
अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या
अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक
उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाब्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची
अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे
कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन
व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क
(महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात
येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत
करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी
सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी
तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. हिस्वन खुर्द

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	८१	०.६०
२.	८१	०.६०
एकुण क्षेत्र		१.२०

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. हिस्वन खुर्द येथील जमीन पाझर तलावा च्या
बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- हिस्वन खुर्द येथील जमीन
पाझर तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- हिस्वन खुर्द पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- हिस्वन खुर्द पाझर तलावाच्या बुडीत
क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या
पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची
आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण
करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक
१३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील
तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच
पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपन सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१३

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्ववसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र. -४२/२०२२ दिनांक १३.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/२०/२०२२ मौ. माळशेंद्रा (पिंपळकोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) पा.त. क्र. ०४ ता.जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/२०/२०२२/ दिनांक २५.०५.२०२२. - ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्ववसन व पुनरर्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्ववसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्ववसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यथे जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्ववसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यथे भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (६) अन्यथे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. माळशेंद्रा (पिंपळकोटी) / बावणे पांगरी (शिवार)

तालुका : जालना जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२५९	५.००
	एकूण क्षेत्र	५.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) येथील जमीन पाझार तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) येथील जमीन पाझार तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) पाझार तलाव क्रमांक ०४

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- माळशेंद्रा (पिंपळ कोटी) / बावणे पांगरी (शिवार) पाझार तलाव क्रमांक ०४ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोराना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक स्थणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबूब माहिती निरंक.
२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक
३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भूसंपादन अधिकारी जालना.

१४

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-५२/२०२२ दिनांक १६.०६.२०२२

भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/३३/२०२२ मो. मानेगांव (जा) पा.त.

क्र. ०१ ता.जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/३३/२०२२/ दिनांक २९.०६.२०२२. - ज्या अर्थे भूमीसंपादन, पुर्नवसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्नवसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना

(सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (६ झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायदांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूद्यारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्वसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावाचीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्येहे जिल्हाधिकारी हे भूमीसंपादन पुर्नवसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्येहे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. मानेगाव (जा)

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१४८	०.०९
२.	१४९	१.३३
३.	१४९	०.१०
४.	१५०	०.०६
५.	१६२	०.६१
६.	१६५	०.२०
७.	१६६	०.४५
	एकुण क्षेत्र	२.८४

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. मानेगाव (जा) येथील जमीन पाझर तलाव क्र.

०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. मानेगाव (जा) येथील जमीन पाझर तलाव क्र. ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- मानेगाव (जा) पाझर तलाव क्र. ०१

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- मानेगाव (जा) पाझर तलाव क्र. ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपन सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

१५

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३) मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र. -७/२०२२ दिनांक २०.०४.२०२२ भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१३/२०२२ मौ. नजीक पांगरी पा.त. क्र. ०२ ता. बदनापूर, जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/१३/२०२२ / दिनांक २५.०५.२०२२.- ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमिनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकीची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भुमिसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नजीक पांगरी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२११	४.६५
	एकुण क्षेत्र	४.६५

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नजीक पांगरी येथील जमीन पाझार तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नजीक पांगरी येथील जमीन पाझार तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नजीक पांगरी पाझार तलाव क्र. ०२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नजीक पांगरी पाझार तलाव क्र. ०२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विरक्तीप्रयोजनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विरक्तीप्रयोजनाची आवश्यकता नाही, सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबूब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना.

१६

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-५८/२०२२ दिनांक २०.०६.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/३७/२०२२ मौ. नजीक पांगरी पा.त. क्र.०९ ता.बदनापुर जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/३७/२०२२/दिनांक १५.०७.२०२२. - ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्नवसन व पुनर्स्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसुचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसुचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्नवसन व पुनर्स्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहू अधिसुचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसुचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समूचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसुचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनरस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसुचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या गिशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाब्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नजीकपांगरी

तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१२२	२.००
२.	१२२	२.०५
	एकुण क्षेत्र	४.०५

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नजीक पांगरी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्रमांक ०९

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नजीक पांगरी पाझर तलाव क्रमांक ९ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाण) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१७ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- १५.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना.

१७

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-३७/२०२२ दिनांक ०९.०६.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /२३/२०२२ मौ. नंदापूर पा.त. क्र.१० ता. जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/२३/२०२२/दिनांक २९.०६.२०२२. - ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना कारतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/ सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करतांना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (१) झेड) नुसार) जिल्हातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वरीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसुचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वरीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसुचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनरस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसुचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीचा भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यचे जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यचे भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्यचे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नंदापुर

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	५६	४.००
	एकूण क्षेत्र	४.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नंदापुर येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १०च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- नंदापुर येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १० च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नंदापुर पाझर तलाव क्रमांक १०

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नंदापुर पाझर तलाव क्रमांक १० च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारण :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करण्या-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २९.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

१८

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्वसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३) मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र. -०४/२०२१ दिनांक २३.०२.२०२१ भूसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /११/२०२१ मौ. नाव्हा पा.त. ता. जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भूसंपादन/सिआर/११/२०२२/दिनांक २८.०६.२०२२. - ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख उक्त अधिसूचना" असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए.झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे तांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अशया जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उलंगन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिकारी-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. नाव्हा

तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१८९	३.१९
	एकूण क्षेत्र	३.१९

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. नाव्हा येथील जमीन पाझर तलाव बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या रचरुपाचे विवरण :- नाव्हा येथील जमीन पाझर तलावाच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- नाव्हा पाझर तलाव

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- नाव्हा पाझर तलावच्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबूब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियकती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :-
निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक : २८.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

१९

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून

(भुमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई
मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /समन्वय-
२/प्र.क्र.-७३/२०२२ दिनांक १५.०७.२०२२
भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३९/२०२२ मौ. पठार देऊळगांव
पा.त. क्र. ०५ ता.बदनापुर जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/३९/२०२२/दिनांक २०.०७.२०२२ - ज्या
अर्थी भुमीसंपादन, पुर्नवसन व पुनरर्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३
मधील पोटकलम (३) अन्यथे प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र
शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/
सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “
उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुर्नवसन व
पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क
अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना
संबोधण्यात यावे) अन्यथे सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना
(सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५००
हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या
जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या
वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या
वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी
अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी
असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक
प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे.
(यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल)
याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे
सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या
प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक
आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थी
भुमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत
जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थी
भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भुमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१)
नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या
अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती
आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना
प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली
कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या
भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही
बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भुमीच्या मालकाने
अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या
अंमलबजावीमधून अशा भुमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक
उलंगंन केल्यामुळे तिला सोसाय्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची
अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुढ्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे
कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यथे जिल्हाधिकारी हे भुमीसंपादन पुर्नवसन
व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क
(महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात
येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यथे भुमी अभिलेख अद्यावत
करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू
कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्यथे उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशी करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. पठार देऊळगांव तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	४०७	०.२५
२.	४०९	२.८९
	एकुण क्षेत्र	३.१४

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. पठार देऊळगांव येथील जमीन पाझर तलाव
क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- पठार देऊळगांव येथील
जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- पठार देऊळगांव पाझर तलाव क्रमांक ०५

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- पठार देऊळगांव पाझर तलाव क्रमांक ०५
च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या
पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.
२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक
३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २०.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

२०

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्नवसन पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)
मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/
प्र.क्र .६९/२०२२ दिनांक ०८.०७.२०२२
भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर/३८/२०२२ मौ. सागरवाडी पा.त क्र.
०५ ता.बदनापुर जि. जालना
खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/३८/२०२२/दिनांक २०.०७.२०२२.- ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्नवसन व पुर्नस्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्था जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कयद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्नवसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कायद्याही पूर्ण हाईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणताही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावाचीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाय्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समुचित शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. सागरवाडी

तालुका : बदनापुर जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	२९०	०.२८
२.	३१२	१.५०
	एकुण क्षेत्र	१.७८

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. सागरवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या खरुपाचे विवरण :- सागरवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- सागरवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०५

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- सागरवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०५ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पालळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

- ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.
- प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक
- प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २०.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप,
उपविभागीय अधिकारी तथा
भुसंपादन अधिकारी जालना.

२१

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३) मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-२३/२०२२ दिनांक ३१.०५.२०२२ भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१५/२०२२ मौ. तुपेवाडी पा.त. क्र.१२ ता. बदनापुर जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/१५/२०२२/दिनांक २८.०६.२०२२.- ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.७७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भुमी संपादन, पुनर्वसन व पुनर्स्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनीक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (४ झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वतीने समुचित शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दशविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनीक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समुचित शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भुमी संपादीत करताना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भुमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनर्स्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यवाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उलंगंधन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्वये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्ववसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्वये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्वये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. तुपेवाडी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१५८	४.००
	एकुण क्षेत्र	४.००

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. तुपेवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मौ. तुपेवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- तुपेवाडी पाझर तलाव क्रमांक १२

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- तुपेवाडी पाझर तलाव क्रमांक १२ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २८.०६.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

२२

उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भूमी संपादन, पुर्ववसन पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/ प्र.क्र.-१५/२०२२ दिनांक १७.०५.२०२२ भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /१४/२०२२ मौ. वंजार उम्रद पा.त. क्र. ०७ ता.जि. जालना खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/१४/२०२२/दिनांक २५.०५.२०२२ - ज्या अर्थी भूमीसंपादन, पुर्ववसन व पुनरस्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्वये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसुचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.१७/अ-२, दिनांक १९ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख) "उक्त अधिसूचना" असा केला आहे द्वारे, भूमी संपादन, पुर्ववसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्वये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (ए झेड) नुसार) जिल्हातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्हाच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वर्तीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसुचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वर्तीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (यापुढे त्यांचा उल्लेख उक्त भूमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समूचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करताना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भूमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुनर्वसन आणि पुनरस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसुचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासुन सदरहू भूमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसुचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाब्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेंदोषीत करण्यात येते की, सदरहू भूमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यये जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुनर्वसन व पुनरस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यये भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्यये उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : वंजारउम्रद तालुका : जालना

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१८९	४.९८
२.	१४२	०.४०
	एकूण क्षेत्र	४.५८

संपादनाचे प्रयोजन :- मो. वंजारउम्रद येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- मो. वंजारउम्रद येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- मो. वंजारउम्रद पाझर तलाव क्रमांक ०७

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- वंजारउम्रद पाझर तलाव क्रमांक ०७ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रपेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासुन सुट प्राप्त संदर्भ :- सबब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसुचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमिनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- २५.०५.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना.

२३

उपविभागीय अधिकारी तथा भुसंपादन अधिकारी जालना, यांजकडून (भुमी संपादन, पुनर्वसन पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३)

मा. जिल्हाधिकारी जालना यांचे आदेश क्रमांक २०२२/भु.सं. /सम-२/

प्र.क्र.-५७/२०२२ दिनांक २०.०६.२०२२

भुसंपादन प्रकरण क्रमांक सिआर /३८/२०२२ मो. वंजारवाडी पा.त.

क्र.०९ ता.बदनापुर जि. जालना

खालील अधिसूचना (कलम ११)

क्रमांक भुसंपादन/सिआर/३८/२०२२/दिनांक १५.०७.२०२२. - ज्या अर्थी भुमीसंपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना कारताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (३० चा २०१३) च्या कलम ३ मधील पोटकलम (३) अन्यये प्रदान केलेल्या अधिकारानुसार महाराष्ट्र शासनाने महसुल व वनविभाग अधिसूचना क्र. एमआयएस- ११/२०१४/सी.आर.५७/अ-२, दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (या पुढे जिचा उल्लेख “उक्त अधिसूचना” असा केला आहे) द्वारे, भूमी संपादन, पुनर्वसन व पुनरस्थापना करताना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) (या पुढे याला सदरहून अधिसूचना संबोधण्यात यावे) अन्यये सार्वजनिक प्रयोजनार्थी जमीन संपादन करताना (सदरहू कायद्याच्या कलम ३ मधील पोटकलम (१) जिल्हातील

५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसलेल्या जमिनीच्या बाबतीत या जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांना या कायद्यांतर्गत जमीन संपादन करण्यास शासनाच्या वरीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या अधिसूचनेनुसार जिल्हाधिकारी यांना शासनाच्या वरीने समूचीत शासन म्हणून घोषीत करण्यात आले आहे. त्याअर्थी अनुसूची ०१ मध्ये दर्शविलेल्या जमीनी (युपढे त्यांचा उल्लेख उक्त भुमी असा करण्यात येईल) अनुसूची ०२ मध्ये नमुद केलेल्या सार्वजनिक प्रयोजनाकरिता आवश्यक आहे किंवा आवश्यक असल्यास संभव आहे. (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात येईल) याबाबत जिल्हाधिकारी जालना यांची समूचीत शासन म्हणून खात्री झाल्यामुळे सदरहू कायद्याच्या कलम ११ पोटकलम (१) नुसार सार्वजनिक कामाच्या प्रयोजनासाठी जमीन संपादन करण्यात येते. असे अधिसूचित करणे आवश्यक आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना भूधारकास विस्थापीत करण्याचे कारण सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०३ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी सदरहू भुमी संपादन कायद्यानुसार सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमी संपादीत करतांना सामाजिक परिणाम सारांश सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०४ मध्ये नमुद केले आहे.

आणि ज्याअर्थी, या भूमी संपादन कायद्याचे कलम ४३ पोट कलम (१) नुसार विस्थापितांचे पुर्नवसन आणि पुर्नस्थापना करण्याकरिता सोबत जोडलेल्या अनुसूची ०५ मध्ये प्रशासकाचे विवरण नमुदकेले आहे. (प्रशासकाची नियुक्ती आवश्यक असल्यास अनुसूची ०५ मध्ये माहिती देणे आवश्यक आहे)

त्याअर्थी सदरहू कायद्याच्या कलम ११ चे पोटकलम (४) नुसार अधिसूचना प्रसिद्ध केल्याच्या दिनांकापासून सदरहू भुमी कायद्याच्या प्रकरण ४ खाली कार्यावाही पूर्ण होईपर्यंत कोणतीही व्यक्ती उक्त जमिनीचा अथवा जमिनीच्या भागाचा कोणाही व्यवहार करविणार नाही किंवा अश्या जमिनीवर कोणताही बोजा निर्माण करणार नाही.

परंतु जिल्हाधिकारी अशा प्रकारे अधिसूचित केलेल्या भूमीच्या मालकाने अर्ज केल्यावर लेखी नोंदवयाच्या विशेष परिस्थितीमध्ये या पोट कलमांच्या अंमलबजावणीमधून अशा भूमी मालकास सुट देऊ शकेल.

परंतु आणखी असे कि कोणत्याही व्यक्तीने या तरतुदीचे जाणीपूर्वक उल्लंघन केल्यामुळे तिला सोसाव्या लागलेल्या कोणत्याही नुकसानीची अथवा क्षतीची जिल्हाधिका-याद्वारे भरपाई देण्यात येणार नाही.

पुन्हा असेघोषीत करण्यात येते की, सदरहू भुमी संपादन कायद्याचे कलम ११ च्या पोटकलम (५) अन्यचे जिल्हाधिकारी हे भुमिसंपादन पुर्नवसन व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याच्या व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ (यापुढे ज्याचा उल्लेख उक्त नियम असा करण्यात येईल) चे नियम १० मधील उपनियम (३) अन्यचे भुमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेतील.

आणि म्हणून त्याअर्थी समूचीत शासन म्हणून जिल्हाधिकारी सदरहू कायद्याचे कलम ३, पोटकलम (ग) अन्यचे उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना यांना पदनिर्देशीत करीत आहे.

अनुसूची -१

भूमीच वर्णन

गाव : मौ. वंजारवाडी

तालुका : बदनापुर

जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजित क्षेत्र (हेक्टर मध्ये)
१.	१५	०.६२
२.	१६	०.४९
३.	१७	०.५५
४.	१८	०.३५
५.	१८	०.३२
६.	२२	२.११
७.	२३	०.५५
एकुण क्षेत्र		४.९९

संपादनाचे प्रयोजन :- मौ. वंजारवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

अनुसूची -२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपाचे विवरण :- वंजारवाडी येथील जमीन पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

प्रकल्पाचे नाव :- वंजारवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०१

प्रकल्पाच्या कामाचा तपशील :- वंजारवाडी पाझर तलाव क्रमांक ०१ च्या बुडीत क्षेत्राच्या कामाकरिता

सामाजिक फायदे :- पिण्याचे पाण्याची पातळी वाढते, गुरे ढोरांना पिण्याच्या पाण्याची सोय होते.

अनुसूची -३

बाधीत व्यक्तींचे विस्थापनाच्या आवश्यकतेची कारणे :- विस्थापनाची आवश्यकता नाही, सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -४

सामाजिक परिणाम निर्धारणाचा गोषवारा (सामाजिक परिणामाचे निर्धारण करणा-या यंत्रणेने दिल्याप्रमाणे) :- महाराष्ट्र शासन राजपत्र दिनांक १३.०३.२०१५ नुसार उक्त अधिनियमांचे कलम २ व प्रकरण ३ मधील तरतुदी लागू करण्यापासून सुट प्राप्त संदर्भ :- सबूब माहिती निरंक

अनुसूची -५

नियुक्त केलेल्या प्रशासकाबाबत माहिती

१. ज्या अधिका-याची प्रशासक म्हणून नियुक्ती करण्यात आली आहे त्याच पदनाम :- आवश्यकता नाही. सबूब माहिती निरंक.

२. प्रशासकाचे कार्यालयाचा पत्ता :- निरंक

३. प्रशासकीची नियुक्ती ज्या अधिसूचनेनुसार झाली त्याचा तपशील :- निरंक

टिप :- उक्त जमीनीचा / जमिनीच्या योजनेचे (प्लॅनचे) निरीक्षण उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी, जालना यांच्या कार्यालयात करता येईल.

दिनांक :- १५.०७.२०२२

ठिकाण : जालना

डॉ. संदिपान सानप, उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी जालना.

उपविभागीय अधिकारी परतूर यांजकडून

(भूमीसंपादन, पुनर्वसन, व पुर्नस्थापना करतांना वाजवी भरपाईचा मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ चे कलम ११ (१) खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भूसंपादन/सिआर-१६/२०२२. दिनांक २९.८.२०२२.- ज्याअर्थी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुर्नव्यवस्थापन करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) ज्याच्या कलम ३ खंड ई व्हारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकाराचा वापर करून काढण्यात आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण/११/२०१४/प्र.क्र.७७/अ-२ दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे) यात यापुढे असे ही अधिसूचीत केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झोड-अ) मध्ये व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी एखाद्या जिल्हायातील ५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल ईतक्या क्षेत्र करीता जमीन संपादन करण्याच्या संबंधात जिल्हाधिकारी हे उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचने नुसार समिचित शासन असलेल्या जालना जिल्हायाच्या जिल्हाधिकारी यांनी या सोबत जोडलेल्या अनुसूची एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त जमीन असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजना साठी (यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण या सोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन मध्ये दिलेले आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम (१) च्या तरतुदीन्याचे याव्हारे असे अधिसूचीत करण्यात येते की, उक्त जमीनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी प्रस्तावित भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची तीन मध्ये दिलेली आहेत. आणि ज्याअर्थी सामाजिक परिणाम निर्धारण सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेले आहेत.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्यथे पुनर्वसन व पुनर्वसाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची पांच मध्ये दिलेला आहे.

त्याअर्थी आता, असे घोषीत करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणती ही व्यक्ती, ही अधिसूचना प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांका पासुन ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार खालील कार्यवाही पुर्ण होईल त्या कालावधी पर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा तिच्या भागाचा कोणता ही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमीनीवर कोणता ही भार निर्माण करणार नाही.

परंतु, उक्त जमीनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर जिल्हाधिकारी यांना विशेष परिस्थितीची कारणे लेखी नमुद करून अशा मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देण्यात येईल. परंतु आनंदी

असे की, जर कोणत्या ही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धी पुरस्पर उल्लंघन केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्या ही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिकारी यांचे कडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ पोट कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुनर्वसाहत करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र) नियम २०१४ यात या पुढे ज्याचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला आहे. त्याच्या नियम १० च्या उप नियम (३) व्हारे विहीत केल्या प्रमाणे भूमी अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेणार असल्याचे व पुर्ण करणार असल्याचे देखील घोषीत करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ) अन्यथे समुचित शासन असलेले जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखाली जिल्हाधिकारी यांची कार्य पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांना पदनिर्देशित करण्यात येत आहे.

अनुसूची-१

जमीनीचे वर्णन

गावाचे नांव : तळेगाव तालूका : मंठा जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक	भूमापन क्रमांक किंवा	आवश्यक असलेले
गट क्रमांक	गट क्रमांक	अंदाजीत क्षेत्र
१.	६७	हे.आर
		०.०९ आर

अनुसूची-२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपा बाबत वर्णन

मौजे तळेगाव तालूका मंठा जिल्हा जालना येथील गट क्रमांक ६७ मधील एकूण क्षेत्र ० हे ०९ आर जमीन १५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता भूसंपादन करणे.

प्रकल्प कार्याचे वर्णन : मौजे तळेगाव तालूका मंठा जिल्हा जालना येथील जमीन १५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता भूसंपादन करणे.

अनुसूची-३

बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे :

जमीन मालक यांची जमीन १५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता गट क्रमांक ६७ मधील ० हे ०९ आर जमीन संपादीत करण्यात येत असल्यामुळे जमीन मालक विस्थापीत होत नाहीत किंवा संबंधीताचे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-४

सामाजिक परिणाम निर्धारण : नविन भूसंपादन कायदा २०१३ चे कलम ६ नुसार सामाजिक परिणाम निर्धारणातून सुट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-०५

अ) मौजे तळेगाव ता.मंठा येथील १५ गावाचे ग्रिड पाणी पुरवठा योजने करीता मौजे तळेगाव ता.मंठा येथील गट क्रमांक ६७ मधून ० हे ०९ आर जमीन संपादीत करण्यात येत आहे. सदर अधिसूचने व्हारे ज्या जमीनीची सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता आहे किंवा आवश्यकता भासण्याचा संभव आहे. त्यामुळे या कायद्याच्या कलम ११ चे उपकलम (१) खालील अधिसूचना प्रसिद्ध करण्यात आली आहे. प्रारंभीक अधिसूचनेच्या तारखे पासुन ६० दिवसाच्या आत हितसंबंधीत व्यक्तींना उपविभागीय अधिकारी तथा भूसंपादन अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे कार्यालयात अक्षेप नोंदविता येतील.

ब) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता : निरंक
क) ज्या अधिसूचने द्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे तो
आदेश क्रमांक निरंक

उक्त जमीनीचा नकाशा उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे
कार्यालयात पाहण्या करीता ठेवण्यात आला आहे.

भाऊसाहेब जाधव,
उपविभागीय अधिकारी
परतूर, जि. जालना.

२५

उपविभागीय अधिकारी परतूर यांजकडून

(भूमीसंपादन, पुनर्वसन, व पुर्नरथापना करतांना वाजवी भरपाईचा
मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ चे कलम ११ (१)
खालील अधिसूचना

जा.क्र.२०२२/भूसंपादन/सिआर- दिनांक २३.८.२०२२ ज्याअर्थी
भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुर्नव्यवस्थापन करतांना वाजवी भरपाई मिळण्याचा
व पारदर्शकतेचा हक्क अधिनियम २०१३ (२०१३ चा ३०) ज्याच्या कलम ३
खंड ई द्वारे प्रदान करण्यात आलेल्या अधिकराचा वापर करून काढण्यात
आलेली शासकीय अधिसूचना, महसूल व वन विभाग क्रमांक संकीर्ण/११/
२०१४/प्र.क्र.७७/अ-२ दिनांक ११ जानेवारी २०१५ (यात यापुढे ज्याचा निर्देश
उक्त अधिसूचना असा करण्यात आला आहे) यात यापुढे असे ही अधिसूचीत
केले आहे की, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (झेड-अ) मध्ये
व्याख्या केलेल्या एखाद्या सार्वजनिक प्रयोजनासाठी एखाद्या जिल्ह्यातील
५०० हेक्टर पेक्षा अधिक नसेल इतक्या क्षेत्र करीता जमीन संपादन करण्याच्या
संबंधात जिल्हाधिकारी हे उक्त अधिनियमाच्या प्रयोजनासाठी समुचित
शासन असल्याचे मानण्यात येईल.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिसूचने नुसार समिचित शासन असलेल्या
जालना जिल्ह्याच्या जिल्हाधिकारी यांनी या सोबत जोडलेल्या अनुसूची
एक मध्ये अधिक तपशिलवार वर्णन केलेली जमीन (यात यापुढे जिचा
निर्देश उक्त जमीन असा करण्यात आला आहे) सार्वजनिक प्रयोजना साठी
(यात यापुढे जिचा निर्देश उक्त सार्वजनिक प्रयोजन असा करण्यात आला
आहे.) आवश्यक आहे अथवा तिची आवश्यकता भासण्याची शक्यता आहे
असे वाटते, ज्याच्या स्वरूपाचे विवरण या सोबत जोडलेल्या अनुसूची दोन
मध्ये दिलेले आहे आणि म्हणून उक्त अधिनियमाच्या कलम ११ च्या पोट
कलम (१) च्या तरतुदीन्वये याव्वारे असे अधिसूचीत करण्यात येते की,
उक्त जमीनीची उक्त सार्वजनिक प्रयोजनासाठी आवश्यकता भासण्याची
शक्यता आहे.

आणि ज्याअर्थी प्रस्तावित भूमी संपादनाच्या अनुषंगाने बाधीत व्यक्तीचे
विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे, या सोबत जोडलेल्या अनुसूची
तीन मध्ये दिलेली आहेत. आणि ज्याअर्थी सामाजिक परिणाम निर्धारण
सारांश या सोबत जोडलेल्या अनुसूची चार मध्ये दिलेले आहेत.

आणि ज्याअर्थी कलम ४३ च्या पोट कलम (१) अन्वये पुनर्वसन व
पुनर्वासाहत या प्रयोजनासाठी नियुक्त केलेल्या प्रशासकाचा तपशिल, या
सोबत जोडलेल्या अनुसूची पांच मध्ये दिलेला आहे.

त्याअर्थी आता, असे घोषीत करण्यात येत आहे की, उक्त अधिनियमाच्या
कलम ११ च्या पोट कलम ४ अनुसार कोणती ही व्यक्ती, ही अधिसूचना

प्रसिद्ध झाल्याच्या दिनांका पासून ते उक्त अधिनियमाच्या प्रकरण चार
खालील कार्यवाही पुर्ण होईल त्या कालावधी पर्यंत उक्त जमीनीचा अथवा
तिच्या भागाचा कोणता ही व्यवहार करणार नाही किंवा उक्त जमीनीवर
कोणता ही भार निर्माण करणार नाही.

परंतु, उक्त जमीनीच्या अथवा तिच्या भागाच्या मालकाने अर्ज केल्यावर
जिल्हाधिकारी यांना विशेष परिस्थितीची कारण लेखी नमुद करून अशा
मालकास उपरोक्त तरतुदीच्या प्रवर्तनातून सूट देण्यात येईल. परंतु आनंदी
असे की, जर कोणत्या ही व्यक्तीने या तरतुदीचे बुद्धी पुरस्पर उल्लंघन
केल्यामुळे तिला झालेल्या कोणत्या ही हानीची किंवा क्षतीची जिल्हाधिकारी
यांचे कडून भरपाई दिली जाणार नाही. तसेच, उक्त अधिनियमाच्या कलम
११ पोट कलम (५) अनुसार, जिल्हाधिकारी भूमीसंपादन पुनर्वसन व पुर्नव्याहत
करतांना उचित भरपाई मिळण्याचा व पारदर्शकतेचा हक्क (महाराष्ट्र)
नियम २०१४ यात या पुढे ज्याचा निर्देश उक्त नियम असा करण्यात आला
आहे. याच्या नियम १० च्या उप नियम (३) द्वारे विहीत केल्या प्रमाणे भूमी
अभिलेख अद्यावत करण्याचे काम हाती घेणार असल्याचे व पुर्ण करणार
असल्याचे देखील घोषीत करण्यात येत आहे.

आणि ज्याअर्थी, उक्त अधिनियमाच्या कलम ३ च्या खंड (छ)
अन्वये समुचित शासन असलेले जिल्हाधिकारी, उक्त अधिनियमाखाली
जिल्हाधिकारी यांची कार्य पार पाडण्यासाठी उपविभागीय अधिकारी परतूर
जि.जालना यांना पदनिर्देशित करण्यात येत आहे.

अनुसूची-१

जमीनीचे वर्णन

गावाचे नांव उस्वद देवठाणा तालूका : मंठा जिल्हा : जालना

अनुक्रमांक भूमापन क्रमांक किंवा आवश्यक जमीनीचे

गट क्रमांक	अंदाजीत क्षेत्र
	हे.आर

१.	०४	०.४५
२.	०५	०.६०
३.	०६	०.०५
	एकूण	१.१०

अनुसूची-२

सार्वजनिक प्रयोजनाच्या स्वरूपा बाबत वर्णन

प्रकल्पाचे नांव : मौजे उस्वद देवठाणा ता.मंठा येथील कोल्हापुरी पद्धतीचे
बंधा-या करीता भूसंपादन

प्रकल्प कार्याचे वर्णन : मौजे उस्वद देवठाणा तालूका मंठा जिल्हा जालना
येथील कोल्हापुरी पद्धतीचे बंधा-या करीता गट क्रमांक ४,५,६ मधून १
हे.१० आर जमीन संपादन करणे बाबत.

समाजास मिळणारे लाभ : मौजे उस्वद देवठाणा ता.मंठा जि.जालना
येथील गट क्रमांक ४,५,६ मधून १ हे.१० आर जमीन संपादीत केल्यामुळे
पाण्याची पातळी वाढेल वा कोल्हापुरी पद्धतीचे बंधा-याच्या पाण्याचा
लाभ सिंचना साठी होऊन गावक-यांचे जिवनमान ऊंचावेल.

अनुसूची-३

बाधीत व्यक्तीचे विस्थापन करण्यास भाग पाडणारी कारणे :

सदरचा कोल्हापुरी पद्धतीचा बंधारा हा प्रवण भागातील जमीनीवर
आहे. सदरचा कोल्हापुरी पद्धतीचा बंधारा हा दूर्गम भागात असून सदरचा
को.प.बंधारा व्हावा या करीता शेतक-यांची संमती आहे. या कोल्हापुरी
पद्धतीच्या बंधा-यामुळे कोणती ही व्यक्ती अथवा गावठाण बाधीत होत
नसल्यामुळे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही.

अनुसूची-४

सामाजिक परिणाम निर्धारण : नविन भूसंपादन कायदा २०१३ चे कलम ६ नुसार सामाजिक परिणाम निर्धारणातून सुट देण्यात आली आहे.

अनुसूची-०५

अ) सदरच्या कोल्हापुरी पद्धतीच्या बंधा-यामुळे गावातील जमीन ओलीताखाली येईल व गावातील शेतकऱ्यांचे जिवनमान ऊऱ्यावेल आणि सदरच्या पाझार तलावाच्या जवळील शेतातील विहीरीची पाण्याची पातळी ऊऱ्यावेत. सदरच्या पाझार हा दूर्गम भागातील शेत जमीनीवर असून सदर पाझार तलावामुळे कोणती ही व्यक्ती अथवा गावठाणाची जमीन बाधीत होत नाही त्यामुळे पुनर्वसन करण्याची आवश्यकता नाही. ससब प्रशासक नियुक्तीचा प्रश्न उद्भवत नाही.

ब) प्रशासकाच्या कार्यालयाचा पत्ता : निरंक

क) ज्या अधिसूचने द्वारे प्रशासकाची नियुक्ती करण्यात आली आहे तो आदेश क्रमांक निरंक

उक्त जमीनीचा नकाशा उपविभागीय अधिकारी परतूर जि.जालना यांचे कार्यालयात पाहण्या करीता ठेवण्यात आला आहे.

भाऊसाहेब जाधव,
उपविभागीय अधिकारी
परतूर, जि. जालना.

२६

कार्यकारी अभियंता पैठण, यांजकडून

अधिसूचना - ३

जा.पा.वि/ना.न.(ज)/पैठण/पा.वा.सं./२६१०/दिनांक २३-०१-२०२२.- ज्याआर्थी जलक्षमता निकषावर आधारित व प्रशासकीय सोयीच्या अनुषंगाने एमएमआयएसएफ ऑक्ट २००५, कलम ५, ६ व ७ नियम क्र. ३ नुसार पाणी वापर संस्थांचे कार्यक्षेत्र निश्चित करण्याचे असल्यामुळे मी श्री.पी. बी. जाधव कार्यकारी अभियंता जायकवाडी पाटबंधारे विभाग नाथनगर (उ) पैठण, या अधिसूचनेव्वारे खालील पाणी वापर संस्थांचे कार्यक्षेत्र निश्चित करीत आहे आणि मी असे निर्देश देतो कि, अशा संस्थाचे अद्यावत व प्रमाणित नकाशे, शेतमालकांच्या /भोगवट दरांच्या याद्या ग्रामपंचायत तहसिल, सिंचन शाखा, उपविभाग व विभागिय कार्यालयाच्या व इतर प्रमुख सार्वजनिक ठिकाणी सूचना फलकावर लावण्यात याव्यात.

मी श्री.पी. बी. जाधव कार्यकारी अभियंता, जायकवाडी पाटबंधारे विभाग, नाथनगर (उ) पैठण या अधिसूचनेव्वारे असेही घोषीत करू इच्छितो की, सामुच्चीत प्राधिकरण अशा संस्थांच्या कार्यक्षेत्रातील शेतमालकांना /भोगवटा धारकांना उक्त कायद्याच्या कलम -७ अन्यचे व्यक्तिगत स्वतंत्ररित्या पाणी पुरवठा करण्यात येणार नाही आणि महाराष्ट्र सिंचन पद्धतीचे शेतकऱ्यांकडून व्यवस्थापन कायदा २००५ या खाली येणा-या भूधारकांना / शेतमालकांना / भोगवटादारांना पाणी वापर संस्थे मार्फतच पाणी घेणे बंधनकारक राहील. तसेच सदर अधिसूचना -३ ही केवळ लाभधारक, हे उपरोक्त उल्लेखीत पाणी वापर संस्थेच्या सभासदत्वा पुरतीच मर्यादीत असून इतर कुठल्याही कारणास्तव अथवा उद्देशाने ही अधिसूचना पुरव्यादाखल सादर करता येणार नाही.

या अधिसूचनेमुळे / अधिसूचनेव्या काही भागामुळे बाधित होणा-या कुणालाही अधिसूचना शासकीय राजपत्रात प्रसिद्ध झाल्याच्या तारखेपासून

३० दिवसांच्या आत अधिक्षक अभियंता व प्रशासक, लाभक्षेत्र विकास व प्राधिकरण यांचेकडे अपील करता येईल.

अनुसूची

प्रकल्पाचे नाव : जायकवाडी धरण, पैठण, मुख्य डावा कालवा

पाणी वापर संस्थेचे नाव : कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था भनंग जळगाव ता. घनसावंगी जि. जालना वितरिका क्र.२३/पै.मु.डा.का./जायकवाडी प्रकल्प पैठण

संस्थेचे कार्य क्षेत्र :- वितरिका क्र.२३/ जायकवाडी प्रकल्प

संस्थेचे एकुण क्षेत्र :- ७९०.०२ हे. (लागवडी लायक)

संस्थेचे एकुण क्षेत्र :- ७६७.५७ हे. (मिजुशकणारे) व उपसा ०० हे. गावनिहाय, गट निहाय, विमोचक निहाय क्षेत्र, मौजे भनंग जळगाव ता. घनसावंगी जि. जालना

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट क्र.	ला.ला. क्षेत्र	भिजणारे क्षेत्र
ओ.ए.ल.-१/एम-१/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	उध्दव कुंडलिक कुडेकर	२६२	०.७७	०.७०
२.	रामचंद्र चत्रभूज कुडेकर	२६२	०.७७	०.७०
३.	श्रीमंत रामभाऊ कुडेकर	२४३	१.००	१.००
४.	रुखमिनबाई परमेश्वर कुडेकर	२४३	०.९९	०.९०
५.	बबन राधुजी कुडेकर	२६८	१.५२	१.५०
६.	विलास राधु कुडेकर	२६८	१.६८	१.६०
७.	सर्जेराव तुळशिराम कुडेकर	२६८	०.४१	०.४०
८.	सुभाष त्रिबक कुडेकर	२६८	०.४१	०.४०
९.	राधु किसन कुडेकर	२६८	०.१८	०.१५
१०.	सत्यशिला विलास कुडेकर	२६८	०.८३	०.८०
११.	भागवत नामदेव कुडेकर	२५३	०.३२	०.३०
१२.	कल्याण अंबादास कुडेकर	२६१	०.३५	०.३०
१३.	पांडुरंग अंबादास कुडेकर	२६१	०.३५	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१४.	अंकुश शंकर कुडेकर	२५९	०.४०	०.४०
१५.	रामनाथ भानुदास कुडेकर	२६३	१.३७	१.३०
१६.	उद्धव कुंडलिक कुडेकर	२६३	०.३५	०.३०
१७.	रामनाथ भनुदास कुडेकर	२५२	०.३६	०.३०
१८.	सुभाष कुंडलिक कुडेकर	२४९	०.५४	०.५०
१९.	ज्ञानेश्वर मनोहर कुडेकर	२४९	०.४०	०.४०
२०.	भिमराव रावसाहेब वाघुंडे	२४९	०.४०	०.४०
२१.	गणेश भागवत कुडेकर	२४९	०.५०	०.५०
२२.	रामचंद्र चत्रभुज कुडेकर	२५०	१.३१	१.३१
२३.	सरस्वती बन्सी कुडेकर	२५०	०.८०	०.८०
२४.	रामनाथ भानुदास कुडेकर	२५०	०.३६	०.३०
२५.	बाबासाहेब लक्ष्मण कुडेकर	२५४	०.१५	०.१०
२६.	मनोहर सावलीराम कुडेकर	२५४	०.४३	०.४०
२७.	सर्जेश तुळशिराम कुडेकर	२५४	०.१२	०.१०
२८.	नवनाथ श्रीमंत कुडेकर	२५६	०.३१	०.३०
२९.	रुखमिनबाई परमेश्वर कुडेकर	२५६	०.३०	०.३०
३०.	गणेश सर्जेश कुडेकर	२५७	०.२४	०.२०
३१.	सर्जेश तुळशिराम कुडेकर	२५७	०.२४	०.२०
३२.	कृष्णाबाई बबन कुडेकर	२६०	१.११	१.१०
३३.	बाबासाहेब लक्ष्मण कुडेकर	२६९	०.४२	०.४०
३४.	भिमराव लक्ष्मण कुडेकर	२६९	०.११	०.१०
३५.	महादेव लक्ष्मण कुडेकर	२६९	०.११	०.१०
३६.	मथुराबाई ज्ञानदेव चौरे	२६९	०.२३	०.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३७.	ज्ञानेश्वर बाबासाहेब कुडेकर	२६९	०.४५	०.४०
३८.	रत्नाकर महादेव कुडेकर	२६९	०.१०	०.१०
		एकूण	२२.२९	२१.९६
ओ. एल.-२/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	प्रभाकर जिजा गोरे	२४७	०.२७	०.२०
२.	लक्ष्मण शेषेश्वर गोरे	२४७	०.८१	०.८०
३.	रामेश्वर भगवान गोरे	२४७	०.८०	०.८०
४.	परमेश्वर भगवान गोरे	२४७	०.८०	०.८०
५.	ज्ञानेश्वर मनोहर कुडेकर	२४७	०.१७	०.१०
६.	रुखमीनबाई श्रीमंत कुडेकर	२४६	०.९०	०.९०
७.	वसीम नासेर सख्यद	२४५	१.८४	१.८०
८.	भिमराव रावसाहेब वाघुंडे	२४४	१.०३	१.००
९.	गणेश भागवत कुडेकर	२४४	०.४०	०.४०
१०.	नसीर जाफर सख्यद	२४४	१.१७	१.१०
११.	अंकुश नारायण डोईफोडे	२४८	१.७२	१.७०
१२.	प्रभाकर जीजा गोरे	२४८	०.५४	०.५०
१३.	निखील अंकुश डोईफोडे	२४८	१.१५	१.१०
१४.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२३८	१.२४	१.२०
	एकूण	१४.४४	१४.००	
मा. नं.-१/ओ.एल.-२/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अशोक किसनराव रिठे	४८	०.४०	०.४०
	भानुदास किसनराव रिठे			
	गंगुबाई पुंजाराम रिठे			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२.	भानुदास किसन रिठे	४८	०.६१	०.६०
३.	अशोक किसन रिठे	४८	०.६१	०.६०
४.	लक्ष्मण यशवंता रिठे	४७	२.१०	२.१०
५.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२४७	१.००	१.००
६.	सर्जेराव तुळशिराम कुडेकर	२४७	०.९०	०.९०
७.	सुभाष त्रिंबक कुडेकर	२४७	०.९०	०.९०
८.	सुरेश कामाजी राठोड	६०	१.०६	१.००
९.	बुद्धक शेख वजीर शेख	६०	१.०६	१.००
१०	जाकेराबी शे. वजीर	६४	०.७५	०.७०
११.	अनिता भाऊलाल राठोड	६४	०.३५	०.३०
	राजेश धुमसिंग राठोड			
	विजय धुमसिंग राठोड			
	संगिता सुभाष राठोड			
१२.	स. सलीम स. मुनिरोदीन	७१	३.४१	३.४०
१३.	फयूम नाजीम सय्यद	७१	१.६२	१.६०
१४.	पंचफुलाबाई नामदेव बडे	५१	१.६२	१.६०
१५.	गंगुबाई धोडीराम गायकवाड	५१	१.२६	१.२०
१६.	जगदीश निवृत्ती कुडेकर	४९	०.७९	०.७०
१७.	रामेश्वर निवृत्ती कुडेकर	४९	०.७९	०.७०
	एकूण	१९.२३	१८.७०	
	ओ.आर-१ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.			
१.	लताबाई गणपत कंटोले	२१५	०.९८	०.९५
२.	निवृत्ती लक्ष्मण गोरे	२१५	०.७०	०.७०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३.	लिंबाजी बापुराव कनके	२१५	०.४०	०.४०
४.	सखाराम तुकाराम लाड	२१५	०.४०	०.४०
५.	गंगाधर लक्ष्मण गोरे	२१५	०.६०	०.६०
६.	आशोक रामा फासाटे	२१५	०.३५	०.३०
७.	विष्णु रामा फासाटे	२१५	०.३४	०.३०
८.	दिपक संतोष कनके			
	अपाक वडील			
	संतोष प्रल्हाद कनके	२१५	०.८०	०.८०
	एकूण	३.७७	३.६५	
मा.नं.-१/ओ.एल.-३/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	सुभाष रामनाथ कनके	५६	१.०६	१.००
२.	शेषराव शिवनाथ कनके	५७	०.३१	०.३०
३.	शकुंतला भ्र. सुभाष कनके	५७	०.३१	०.३०
४.	चंद्रकला रामनाथ कनके	५७	०.६३	०.६०
५.	संभाजी आप्पा कनके	५९	१.१०	१.१०
६.	पांडुरंग श्रीमंत कनके	५९	१.१०	१.१०
७.	बाळासाहेब जगन्नाथ कनके	५९	१.१०	१.१०
८.	कल्याण जगन्नाथ नरवडे	६०	०.८१	०.८०
	बाळासाहेब जगन्नाथ नरवडे			
	राम जगन्नाथ नरवडे			
	गयाबाई जगन्नाथ नरवडे			
९.	भगवान जिजाभाऊ गोरे	६१	०.४१	०.४०
१०.	शेषराव जिजाभाऊ गोरे	६१	०.६५	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
११.	प्रभाकर जिजाभाऊ गोरे	६१	०.६४	०.६०
१२.	जगन्नाथ गीताराम आडाणी	५२	०.९९	०.९०
१३.	मुरलीधर गीताराम आडाणी	५२	१.३९	१.३०
१४.	पांडुरंग भाऊसाहेब मस्के	५२	०.४०	०.४०
१५.	विलास श्रीरंग पवार	५३	१.२०	१.२०
१६.	शाम भगवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१७.	राहूल भागवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१८.	सचिन भागवत घेर	५०	०.९०	०.९०
१९.	सरदार दासु राठोड	६३	१.२३	१.२०
२०.	संतोष भिमराव चव्हाण	६३	०.४०	०.४०
२१.	अंकुश लालसिंग राठोड	६३	०.४०	०.४०
२२.	कलाबाई विलास राठोड	६३	०.४०	०.४०
२३.	दिपक लालसिंग राठोड	६३	०.२०	०.२०
२४.	सुहास विलास यादव	६३	०.४०	०.४०
२५.	सत्यभामा भोळाराम यादव	६३	०.२२	०.२०
२६.	व्दारकादास शेषराव कनके	५५	१.०१	१.००
२७.	भानुदास बापुराव कसाब	५४	०.११	०.१०
२८.	भाऊराव रामभाऊ एसलोटे	५४	१.०१	१.००
२९.	विठ्ठलराव सदाराव जगताप	५४	१.५८	१.५०
३०.	गणेश देविदास गोरे	५४	०.८०	०.८०
३१.	व्दारकाबाई शेषराव गोरे	५४	०.४१	०.४०
३२.	राजेश रुस्तुम पानखडे	५४	०.८०	०.८०
३३.	परसराम शेषराव जगताप	५३	२.०२	२.००

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३४.	बाजीराव नामदेव जगताप	५३	०.८०	०.८०
३५.	हिराबाई परसराम जगताप	५३	१.०१	१.००
३६.	पांडुरंग बाजीराव जगताप	५३	२.२५	२.२०
		एकूण	२९.८५	२९.२०
मा.नं.-१/ओ.एल.-४/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	आरुणाबाई सुदाम एसलोटे	१८	०.५१	०.५०
२.	आसाराम रखमाजी घोलप	१८	०.४०	०.४०
३.	कैलास काता खराबे	१८	०.९६	०.९०
४.	गयाबाई राधाकिसन एसलोटे	१८	०.८१	०.८०
५.	बाबुराव आप्पाराव चव्हाण	१८	१.००	१.००
६.	शिवाजी बापुराव एसलोटे	१८	०.२०	०.२०
७.	विष्णु रखमाजी घोलप	१८	०.४१	०.४०
८.	गंगासागर अनिल खराबे	१८	०.९५	०.९०
९.	परमेश्वर अंबादास पघळ	१८	०.१७	०.१०
१०.	संतोष शिवाजी एसलोटे	१७	०.२३	०.२०
	आपाक शिवाजी बाबुराव			
११.	राधाकिसन पंडाजी एसलोटे	१६	०.७१	०.७०
१२.	सुदाम राधाकिसन एसलोटे	१६	१.३०	१.३०
१३.	विष्णु सुदाम एसलोटे	१६	१.१०	१.१०
१४.	गणेश गोवर्धन काळे	१५	१.००	१.००
१५.	त्रिंबक नाथ काळे	१५	२.८४	२.८०
१६.	गणेश गोवर्धन काळे	१४	१.०१	१.००
१७.	तारामती गोवर्धन काळे	१४	२.८१	२.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१८.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	४६	२.००	२.००
१९.	प्रल्हाद रावसाहेब खोटे	४६	१.९६	१.९०
२०.	नारायण गोपीनाथ कसाब	४६	१.००	१.००
२१.	उद्धव गोपीनाथ कसाब	४६	१.२०	१.२०
२२.	विठ्ठल प्रल्हाद खोटे	४६	१.३६	१.३०
२३.	तुळशीराम पंडीतराव माने	४६	०.८०	०.८०
		एकूण	२४.०९	२३.५०

मा. नं.-१/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.

१.	दादासाहेब कुंडलिक कुडेकर	२२९	०.१७	०.१०
२.	शे. रसुल शे. नबी	२२९	१.२३	१.२०
३.	सरस्वती बनी कुडेकर	२२९	०.४०	०.४०
४.	केशव रामभाऊ सोळुंके	२३०	१.००	१.००
५.	चंद्रकला केशव सोळुंके	२३०	०.८१	०.८०
६.	गोरखनाथ विष्णु सोळुंके	२३०	०.४७	०.४०
७.	नितीन मदन मानेकर	२३०	०.४०	०.४०
८.	अंकुश शेषराव काळे	२२४	०.४५	०.४०
९.	दत्तु तुकाराम काळे	२२४	१.११	१.१०
१०.	रामप्रसाद अंकुश काळे	२२४	०.३२	०.३०
११.	सुमनबाई बप्पासाहेब काळे	२२४	०.३२	०.३०
१२.	गणपत रामभाऊ घोडके	२२४	०.८०	०.८०
१३.	इंद्राबाई बाजीराव धनवे	२२१	०.४५	०.४०
१४.	नारायण गोपीनाथ खोजे	२२१	०.८४	०.८०
	विश्वनाथ गोपीनाथ खोजे			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजळगाव ता. घनसावंगी जि. जालना				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१५.	शेषकलाबाई भिमराव धनवे	२१९	०.८७	०.८०
१६.	अर्जून सुर्यभान डोईफोडे	२२८	१.०९	१.००
	भिमराव सुर्यभान डोईफोडे			
	शरद सुर्यभान डोईफोडे			
१७.	ज्ञानेश्वर भगवान डोईफोडे	२२६	०.५२	०.५०
१८.	रामेश्वर विष्णु डोईफोडे	२२६	०.५३	०.५०
१९.	योगेश केशव डोईफोडे	२२६	०.५३	०.५०
२०.	सतीष उद्धव कुडेकर	२५१	०.५३	०.५०
२१.	अशोक उत्तमराव	२१७	०.७२	०.७०
२२.	भागवत भिमराव धनवे	२१७	०.३५	०.३०
२३.	अर्जून किसनराव ढगे	२१७	०.२५	०.२०
२४.	शेषराव उत्तमराव खणसे	२१७	०.४२	०.४०
		एकूण	१४.५८	१३.८०
सब.मा.नं.-१/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	संगिता सुदाम सेवलीकर	२३१	०.४०	०.४०
२.	प्रल्हाद बापुराव कनके	२३१	०.२०	०.२०
३.	बाळकृष्ण सुदाम सेवलीकर	२३१	०.२०	०.२०
४.	सुनिता सुदाम सेवलीकर	२३१	०.८०	०.८०
५.	संतोष दत्तात्रय काळे	२३१	०.८०	०.८०
६.	प्रभाकर भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
७.	रघुनाथ भानुदास खराबे	२३७	०.३९	०.३०
८.	सतीष प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
९.	शारदाबाई शेषराव कनके	२३७	१.४०	१.४०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	दत्तात्रय भिमराव तेलकर	२३७	०.५०	०.५०
११.	तुकाराम भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
१२.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२३७	०.२४	०.२०
१३.	लंकाबाई गोकुळ खराबे	२३७	०.४०	०.४०
१४.	पुरुषोत्तम प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
१५.	रुखमीनबाई भिमराव तेलकर	२३७	०.४०	०.४०
१६.	इंद्राबाई बाजीराव धनवे	२३२	०.४०	०.४०
१७.	भिमराव किसनराव धनवे	२३२	१.२२	१.२०
१८.	भागवत भिमराव धनवे	२३५	१.४४	१.४०
१९.	भगवान राधुजी हिंगे	२३६	१.१८	१.१०
२०.	महादेव हरीचंद्र हिंगे	२३६	०.८३	०.८०
२१.	भास्कर विष्णु शिरसाठ	२१४	०.८६	०.८०
२२.	दिनकर मदन बर्वे	२१४	१.६०	१.६०
२३.	सोपान नारायण डोईफोडे	२१४	२.४६	२.४०
२४.	गोदावरी विष्णु शिरसाठ	२१४	०.८७	०.८०
२५.	पांडुरंग मदन बर्वे	२१४	१.६०	१.६०
२६.	अर्जून विश्वनाथ नखाते	२३२	१.८१	१.८०
२७.	काशीनाथ विश्वनाथ	२३२	१.४१	१.४०
२८.	रामेश्वर काशीनाथ नखाते	२३२	१.४०	१.४०
२९.	गणेश अर्जून नखाते	२३२	१.००	१.००
३०.	शिवाजी पांडुरंग डोईफोडे	२३४	०.३०	०.३०
३१.	सुषमा शिवाजी डोईफोडे	२३४	१.०४	१.००
३२.	अपाक गिता राजू डोईफोडे	२३९	१.२८	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	रुद्र राजू डोईफोडे			
३३.	अर्जून नारायण डोईफोडे	२३८	१.२४	१.२०
			एकूण	३०.४९
				२९.८०
मा. नं.-२/ओ.एल.-१/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	देवराव पंडाजी एसलोटे	१३	२.५५	२.५०
२.	लक्ष्मण देवराव एसलोटे	१३	२.४०	२.४०
३.	तुळशिराम बापुराव एसलोटे	१२	१.०७	१.००
४.	मोहन बापुराव एसलोटे	१२	१.०७	१.००
५.	रामभाऊ साहेबराव एसलोटे	१२	०.४०	०.४०
६.	अशोक आण्णासाहेब एसलोटे	१२	०.८३	०.८०
७.	भागवत भिमराव एसलोटे	११	१.२३	१.२०
८.	डिगांबर भिमराव एसलोटे	११	१.०३	१.००
९.	विनायक भाऊराव एसलोटे	११	१.२३	१.२०
१०.	मेघनाथ बळीराम काळे	११	०.२०	०.२०
११.	बाबासाहेब किसन सुभेदार	५८	१.१६	१.१०
१२.	भगवान किसन सुभेदार	५८	०.४७	०.४०
१३.	मधुकर किसनराव पिसाळ	५८	१.६१	१.६०
१४.	सिध्देश्वर भगवान सुभेदार	५८	१.६०	१.६०
१५.	बापुसाहेब भगवान सुभेदार	५८	१.६०	१.६०
१६.	शो. नाजीमाबी शो. सलीम	५८	१.१६	१.१०
१७.	प्रल्हाद रंगनाथ एसलोटे	६	१.२०	१.२०
१८.	रंगनाथ पंडाजी एसलोटे	६	०.५५	०.५०
१९.	संपत रंगनाथ एसलोटे	६	१.२०	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२०.	मिनाबाई परमेश्वर एसलोटे	९	०.६३	०.६०
		एकुण	२३.१९	२२.६०
मा. नं.-२/टेल/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अप्पा साबळाराम धोत्रे	२३९	०.६८	०.६०
२.	एकनाथ साहेबराव खराबे	२३९	०.४०	०.४०
३.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३९	०.३९	०.३०
४.	बबन यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
५.	राजाराम सुखदेव मिस्त्री	२३९	०.८०	०.८०
६.	राजेंद्र पंढरीनाथ खराबे	२३९	०.४०	०.४०
	सिताराम पंढरीनाथ खराबे			
	गणेश पंढरीनाथ खराबे			
७.	रामदास यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
८.	अशोक दिगंबर तायडे	२३८	१.१०	१.१०
९.	अप्पा साबळाराम धोत्रे	२३८	०.३१	०.३०
१०.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३८	०.४०	०.४०
११.	नामदेव बापुराव मरकड	२३८	०.४५	०.४०
१२.	शंकर तात्यावर खराबे	२३८	०.७२	०.७०
१३.	जगन्नाथ आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
१४.	सुधाकर आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
१५.	कचरु मैनाजी वाघमारे	२४०	१.२७	१.२०
१६.	दिगंबर रायभान बहिर	२४०	०.४०	०.४०
	श्री खंडोबा देवरथा	२४०	१४.३७	१४.००
१७.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२४०	१.९४	१.९०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१८.	बाळासाहेब कल्याण खराबे	२४०	०.८१	०.८०
१९.	डिगांबर रायभान बहिर	२४०	०.८०	०.८०
२०.	तुळशीराम साहेबराव बोरडे	२४२	१.०५	१.००
२१.	मंदाबाई साहेबराव बोरडे	२४२	१.२६	१.२०
२२.	मुक्ताबाई साहेबराव	२४२	१.२४	१.२०
२३.	सुभाष साहेबराव	२४२	१.२५	१.२०
२४.	सिंधुबाई तुळशीराम बोर्डे	२४२	०.२०	०.२०
२५.	रामकिसन मारोती बोरडे	२४३	२.३०	२.३०
२६.	प्रामाकर भानदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
२७.	रघुनाथ भानदास खराबे	२३७	०.३९	०.३०
२८.	सतीष प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
२९.	शारदाबाई शेषराव कनके	२३७	१.४०	१.४०
३०.	दत्तात्रय भिमराव तेलकर	२३७	१.६३	१.६०
३१.	विठ्ठल भिमराव तेलकर	२३७	०.५०	०.५०
३२.	तुकाराम भानुदास खराबे	२३७	०.४०	०.४०
३३.	बप्पासाहेब निवृत्ती बहिर	२३७	०.२४	०.२०
३४.	लंकाबाई गोकुळ खराबे	२३७	०.४०	०.४०
३५.	पुरुषोत्तम प्रल्हाद कावळे	२३७	१.०१	१.००
३६.	रुखमीनबाई भिमराव तेलकर	२३७	०.४०	०.४०
३७.	प्रदीप कांताराव खराबे	२३५	२.०१	२.००
३८.	जगन्नाथ किसन नरवडे	२३२	०.४०	०.४०
३९.	दगडू भानदास हराळे	२३२	१.६१	१.६०
४०.	शशिकला भानदास हराळे	२३२	१.६१	१.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	बडु भानुदास हराळे			
४१.	भानुदास नामदेव हराळे	२३२	०.३७	०.३०
४२.	मारोत्तराव माणिकराव गुंजकर	२३२	१.५९	१.५०
४३.	रंगनाथ मुरलीधर तांदळे	२३२	१.८०	१.८०
४४.	ज्ञानेश्वर भिकाजी भोजने	२३२	१.००	१.००
४५.	एकनाथ मोहन भोजने	२३२	०.५०	०.५०
४६.	रामेश्वर पाराजी तांदळे	२३२	१.४०	१.४०
४७.	रंगनाथ मुरलीधर तांदळे	२३६	०.५६	०.५०
४८.	अन्नापुर्णा पाराजी तांदळे	२३६	०.५५	०.५०
		एकूण	५५.२४	५३.७५
मा. नं.-३/टेल ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	भाऊसाहेब देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
	जय बाळासाहेब तळेकर			
	किशोर देविदास वावरे			
	देविदास भाऊराव वावरे			
२.	देविदास भाऊराव वावरे	४१४	१.०६	१.००
३.	किशोर देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
४.	भाऊसाहेब देविदास वावरे	४१४	१.०६	१.००
५.	विश्वास भगवान घोडके	४१३	१.२९	१.२०
६.	अभिमान भानुदास चांभारे	४१३	०.४८	०.४०
७.	शिवप्रसाद अंबादास भोपळे	४१३	१.६१	१.६०
८.	अशोक भगवान घोडके	४१३	१.२०	१.२०
९.	परमेश्वर अभिमान चांभारे	४१३	०.४०	०.४०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	सुगंधा शंकर दाबूक	४१७	१.३३	१.३०
	गणेश शंकर दाबूक			
	ज्ञानेश्वर शंकर दाबूक			
अनिता दत्तात्रय दहिभाते				
११.	रामेश्वर नारायण दाबूक	४१७	०.६६	०.६०
१२.	समिंदर नारायण दाबूक	४१७	०.६६	०.६०
	अशोक नारायण दाबूक			
१३.	उमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	२.६१	२.६०
१४.	रमेश बापुसाहेब पुराणिक	४१८	०.६१	०.६०
१५.	गणेश रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१६.	शुभम रमेश पुराणिक	४१८	१.००	१.००
१७.	कल्याण बाबासाहेब कळकटे	४१९	२.००	२.००
१८.	विराज कल्याण कळकटे	४१९	०.९४	०.९०
१९.	सुभाष बाबासाहेब कळकटे	४२०	२.००	२.००
२०.	शिवराज सुभाष कळकटे	४२०	०.६०	०.६०
२१.	विराज कल्याण कळकटे	४२०	०.४७	०.४७
२२.	दत्तात्रय रावसाहेब कळकटे	४२७	१.८४	१.८०
२३.	दिगंबर रावसाहेब कळकटे	४२७	२.०२	२.००
२४.	कावेरीबाई दिगंबर कळकटे	४२७	२.००	२.००
२५.	शरद दत्तात्रय कळकटे	४२७	१.००	१.००
२६.	ज्ञानेश्वर भानुदास शिंदे	४०२	०.३३	०.३०
२७.	राणी रमेश घोडके	४०२	०.८०	०.८०
	राहूल रमेश घोडके			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
	उषा रमेश घोडके			
२८.	गणेश मुरलीधर घोडके	४०२	१.०८	१.००
२९.	नितीन दिगंबर कळकटे	४०२	१.०८	१.००
३०.	शिवाजी भाऊसाहेब कळकटे	४०२	०.८०	०.८०
३१.	संभाजी भाऊसाहेब कळकटे	४०२	०.८०	०.८०
३२.	सुदर्शन डिगंबर कळकटे	४०२	१.०८	१.००
३३.	गणेश निवृत्ती कळकटे	४११	२.९०	२.९०
३४.	नंदाबाई जगन्नाथ कळकटे	४२६	०.२६	०.२०
३५.	साहेबाराव मानसिंग कळकटे	४२६	०.४०	०.४०
३६.	अमोल शिवाजीराव कळकटे	४२६	०.२४	०.२०
३७.	सुभद्राबाई सावळाहरी खट	४१२	०.७०	०.७०
३८.	जनार्धन साहेबा दाबूक	४१२	१.१५	१.१०
३९.	लक्ष्मण साहेबा दाबूक	४१२	०.६५	०.६०
४०.	भारती गणेश म्हस्के	४१२	०.२०	०.२०
४१.	आणणासाहेब रावसाहेब			
	कळकटे	१९	१.५०	१.५०
४२.	निवास आणणासाहेब कळकटे	१९	१.५०	१.५०
४३.	इंदुमती आणणासाहेब कळकटे	१८	०.४६	०.४६
४४.	तुनिषा श्रीनिवास कळकटे	१८	०.४६	०.४६
४५.	तुळशीराम एकनाथ शिंदे	२०	०.५४	०.५४
४६.	निवृत्ती एकनाथ शिंदे	२०	०.५४	०.५४
४७.	सिया ज्ञानदेव शिंदे	२०	०.५३	०.५३
४८.	रामकिसन भानुदास कळकटे	१४	०.७८	०.७८

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४९.	रंजना श्रीकिसन कळकटे	१४	०.७८	०.७८
५०.	वसंत प्रभाकर कळकटे	२५	०.७८	०.७८
		एकूण	४९.५०	४८.३४
ओ.एल-५/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	४६	२.००	२.००
२.	प्रल्हाद रावसाहेब खोटे	४६	१.१६	१.१०
३.	नारायण गोपीनाथ कसाब	४६	१.००	१.००
४.	उद्धव गोपीनाथ कसाब	४६	१.२०	१.२०
५.	विठ्ठल प्रल्हाद खोटे	४६	१.३६	१.३०
६.	तुळसीराम पंढरीनाथ माने	४६	०.८०	०.८०
७.	पदमाबाई बप्पाजी घोलप	१९	०.२७	०.२०
	लक्ष्मण बप्पाजी घोलप			
	रामा बप्पाजी घोलप			
	नर्मदा रामा घोलप			
८.	रखमाजी बापुराव घोलप	१९	०.३९	०.३०
९.	रामराव बापुराव कोरडे	१९	०.८२	०.८०
१०.	लिंबाजी मनोहर घोलप	१९	०.७४	०.७०
११.	शामराव मारोती पघळ	१९	०.८१	०.८०
१२.	प्रभाकर पांडुरंग घोलप	१९	०.६०	०.६०
१३.	लक्ष्मी लिंबाजी घोलप	१९	०.२८	०.२०
१४.	पांडुरंग बापुराव घोलप	१९	०.६०	०.६०
१५.	पांडुरंग रावसाहेब खोटे	२०	२.००	२.००
१६.	विष्णु रावसाहेब खोटे	२०	१.७५	१.७०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१७.	आशाबाई विष्णु खोटे	२०	१.२०	१.२०
१८.	गजानन प्रल्हाद सांगळे	२०	०.८०	०.८०
		एकूण	१७.७८	१७.३०
ओ.एल-६/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अंबादास देवराळ पघळ	२२३	०.६१	०.६०
२.	मदन शामराव पघळ	२२३	०.६१	०.६०
३.	सुंदर शामराव पघळ	२२३	१.८५	१.८०
४.	राजेंद्र रंगनाथ दानशूर	२०९	१.०२	१.००
५.	संगिता गंगाधर दानशूर	२०९	०.५३	०.५०
६.	अनिता अर्जुनराव मोताळे	२०९	०.५३	०.५०
७.	सविता सुभाष किंडे	२०९	०.५४	०.५०
८.	किशोर प्रभाकर दानशूर	२०९	१.०२	१.००
९.	नामदेव कान्हु गावडे	२२५	१.६०	१.६०
१०.	सवित्रीबाई नामदेव गावडे	२२५	१.००	१.००
११.	बप्पासाहेब बाबुराव गावडे	२२६	१.८३	१.८०
१२.	गोदावरी बप्पासाहेब गावडे	२२६	०.८०	०.८०
१३.	अशोक एकनाथ तलेकर	२२४	०.५०	०.५०
१४.	सखाराम झानदेव तेलकर	२२४	०.५०	०.५०
१५.	मदन शामराव पघळ	२१०	०.५८	०.५०
१६.	सुंदर शामराव पघळ	२१०	०.५८	०.५०
१७.	सवित्रीबाई नामदेव गावडे	२१०	०.४०	०.४०
१८.	रामेश्वर श्रीमंत नांद्रे	२२७	१.२०	१.२०
१९.	गजानन प्रल्हाद सागडे	२२७	१.२०	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२०.	मंगलाबाई डिगांबर पंडीत	२२७	०.५८	०.५०
२१.	शरद शिवाजी इसलोटे	२२७	१.१७	१.१०
२२.	जयश्री दशरथ नांद्रे	२२७	०.४०	०.४०
२३.	आप्पा सावळाराम धोत्रे	२३९	०.६५	०.६०
२४.	एकनाथ साहेबराव खराबे	२३९	०.४०	०.४०
२५.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३९	०.३९	०.३०
२६.	बबन यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
२७.	राजाराम सुखदेव मिस्त्री	२३९	०.३०	०.३०
२८.	राजेंद्र पंढीनाथ खराबे	२३९	०.४०	०.४०
	सिताराम पंढरीनाथ खराबे			
	गणेश पंढरीनाथ खराबे			
२९.	रामदास यादवराव तिगुळे	२३९	०.४०	०.४०
३०.	आसाराम रखमाजी घोलप	२१३	०.२०	०.२०
३१.	किशोर पांडुरंग साबळे	२१३	०.२०	०.२०
३२.	भानदास मारोती साबळे	२१३	०.७६	०.७०
३३.	इंदुबाई भाऊसाहेब साबळे	२१३	०.११	०.१०
३४.	संतोष प्रल्हाद कनके	२१३	०.२८	०.२०
३५.	रुषीकेश पांडुरंग साबळे	२१३	०.२०	०.२०
३६.	कृष्णा काशीनाथ साबळे	२१३	०.१५	०.१०
३७.	पवन लिंबाजी कनके	२१३	०.१२	०.१०
	अपाक लिंबाजी बापुराव			
३८.	अशोक डिगांबर तायडे	२३८	१.१०	१.१०
३९.	आप्पा सावळाराम	२३८	०.३१	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४०.	कल्याण साहेबराव खराबे	२३८	०.४०	०.४०
४१.	नामदेव बापुराव मरकड	२३८	०.४५	०.४०
४२.	शंकर तात्याराव खराबे	२३८	०.७२	०.९०
४३.	जगन्नाथ आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
४४.	सुधाकर आसाराम खराबे	२३८	०.३६	०.३०
४५.	सागरबाई बाबासाहेब कनके	२११	०.४०	०.४०
४६.	बाबासाहेब भिमराव कनके	२११	१.९९	१.९०
४७.	सर्जराव भिमराव कनके	२११	१.९९	१.९०
४८.	अशोक दिगंबर तायडे	२३१	०.५३	०.५०
४९.	केशव दिगंबर तायडे	२३१	१.६०	१.६०
५०.	बंडु भानदास इंराळे	२३१	०.९२	०.९०
	शशिकला भानदास इराळे			
५१.	ज्ञानेश्वर भिकाजी भोजने	२३१	०.९३	०.९०
५२.	संतोष भिकाजी भोजने	२३१	१.३५	१.३०
५३.	सुनिता भिका भोजने	२३१	०.२०	०.२०
५४.	एकनाथ मोहन भोजने	२३१	०.९५	०.९०
५५.	संतोष प्रल्हाद कनके	२३१	०.४५	०.४०
५६.	उषा केशव तायडे	२३१	१.००	१.००
५७.	गंगुबाई अशोक तायडे	२३१	०.८०	०.८०
५८.	शिवकन्या गोविंदराव साळुके	२३१	०.९३	०.९०
५९.	रघुनाथ आप्पाराव कदम	२३१	०.९३	०.९०
	अपाक सतिष आप्पासाहेब			
	कदम			

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
			एकूण	३८.५२
ओ.एल-७/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	आयुष बापुजी	२११	०.६२	०.६०
२.	आशाबाई लिंबा	२११	२.००	२.००
३.	किसन तुकाराम भोसले	२११	१.२०	१.२०
४.	गयाबाई लिंबा उबाळे	२११	२.००	२.००
५.	लिंबा बाबुराव उबाळे	२११	०.९०	०.९०
६.	रुखसाना युनूस पठाण	२११	०.६०	०.६०
७.	शे. अहेमद शे. बापुजी	२२०	०.३९	०.३०
८.	शे. रफिक शे. अहेमद	२२०	०.४०	०.४०
९.	शे. समद शे. अहेमद	२२०	०.४०	०.४०
१०.	अपाक संतोष प्रल्हाद	२२०	१.१९	१.१०
	दिपक संतोष कनके			
११.	वैशाली संतोष कनके	२१२	०.६२	०.६०
१२.	गंगाबाई प्रल्हादराव कनके	२१२	२.००	२.००
१३.	रमेश प्रल्हाद धोंडगे	२३०	०.७८	०.७८
१४.	प्रल्हाद आसराजी धोंडगे	२३०	०.४०	०.४०
१५.	पांडुरंग प्रल्हाद धोंडगे	२२८	०.६१	०.६१
	एकूण	१३.३१	१३.०९	
ओ.एल-८/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	किसन तुकाराम भोसले	१८७	०.९१	०.९०
२.	भानदास मारोती साबळे	१८७	०.९७	०.९०
३.	कल्याण जगन्नाथ नरवडे	१८७	०.८१	०.८०

વિમોચકવાર લાભધારક યાદી				
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભન્ગજલગાવ તા. ઘનસાવંગી જિ. જાલના				
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભન્ગજલગાવ તા. ઘનસાવંગી જિ. જાલના	ગટ	લા.લા.	મિજણારે	
અ.ક્ર.	લાભારકાચે નાવ	ગટ	લા.લા.	મિજણારે
		ક્ર.	ક્ષેત્ર	ક્ષેત્ર
	રામા જગન્નાથ નરવડે			
	બાલાસાહેબ જગન્નાથ નરવડે			
	ગયાબાઈ જગન્નાથ નરવડે			
૪.	નાના સાહેબરાવ શેંડગે	૧૮૭	૧.૬૨	૧.૬૦
		એકુણ	૪.૩૧	૪.૨૦
ઓ.એલ-૧/વિ-૨૩/પૈ.મુ.ડા.કા.				
૧.	રાજારામ શિવરામ સાબળે	૧૭૧	૧.૨૯	૧.૨૦
૨.	વિનોદ રાજારામ સાબળે	૧૭૧	૧.૩૦	૧.૩૦
૩.	રનજીત રાજારામ સાબળે	૧૭૧	૧.૩૦	૧.૩૦
૪.	રાધાબાઈ પ્રલહાદ કનકે	૧૮૨	૦.૯૧	૦.૯૦
૫.	ડિગાંબર ભાગવત બાગલ	૧૭૪	૦.૮૨	૦.૮૦
૬.	બંડુ ભાલચંદ્ર કળકટે	૧૭૪	૦.૪૦	૦.૪
૭.	લિંબાજી પાટિલબા ગાડે	૧૭૪	૦.૪૮	૦.૪૦
૮.	ભાગવત આપ્પા ગાડે	૧૭૪	૦.૧૫	૦.૧૦
૯.	પાર્વતાબાઈ આપ્પા ગાડે	૧૭૪	૦.૩૪	૦.૩૦
૧૦.	અરુણ ભાગવત ગાડે	૧૭૪	૦.૮૦	૦.૮૦
૧૧.	સચિન લિંબા ગાડે	૧૭૪	૦.૪૦	૦.૪૦
૧૨.	રામેશ્વર પારાજી તાંદળે	૧૭૪	૦.૫૦	૦.૫૦
૧૩.	જગન્નાથ કિસન નરવડે	૨૩૨	૦.૪૦	૦.૪૦
૧૪.	દગડૂ ભાનદાસ ઇરાળે	૨૩૨	૧.૬૧	૧.૬૦
૧૫.	શશીકલા ભાનદાસ ઇરાળે	૨૩૨	૧.૬૧	૧.૬૦
	બંડુ ભાનદાસ			
૧૬.	ભાનુદાસ નામદેવ ઇરાળે	૨૩૨	૦.૩૭	૦.૩૦

વિમોચકવાર લાભધારક યાદી				
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભન્ગજલગાવ તા. ઘનસાવંગી જિ. જાલના				
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભન્ગજલગાવ તા. ઘનસાવંગી જિ. જાલના	ગટ	લા.લા.	મિજણારે	
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભન્ગજલગાવ તા. ઘનસાવંગી જિ. જાલના	ગટ	લા.લા.	મિજણારે	
૧૭.	મારોતરાવ માણિકરાવ ગુંજકર	૨૩૨	૧.૫૯	૧.૫૦
૧૮.	રંગનાથ મુરલીધર તાંદળે	૨૩૨	૧.૮૦	૧.૮૦
૧૯.	જ્ઞાનેશ્વર મિકાજી ભોજને	૨૩૨	૧.૦૦	૧.૦૦
૨૦.	એકનાથ સોહન ભોજને	૨૩૨	૦.૮૦	૦.૮૦
૨૧.	રામેશ્વર પારાજી તાંદળે	૨૩૨	૧.૪૦	૧.૪૦
૨૨.	ભુષણ સુભાષ નિર્મલ	૧૭૧	૨.૧૩	૨.૧૦
૨૩.	રાધાબાઈ પ્રલહાદ કાવળે	૧૭૧	૧.૪૪	૧.૪૦
૨૪.	વસંત દામોધર ભુતેકર	૧૭૧	૨.૧૩	૨.૧૦
૨૫.	શિવકન્યા રામનાથ ખરાબે	૧૭૧	૧.૪૧	૧.૪૦
૨૬.	રાહૂલ કાંતારામ ખરાબે	૧૭૧	૧.૪૧	૧.૪૦
૨૭.	નારાયણ અશોક બહિર	૧૮૮	૦.૨૮	૦.૨૦
૨૮.	વ્યાકુબ બનેમિયા પઠાણ	૧૮૮	૧.૨૦	૧.૨૦
૨૯.	અકબર યાકુબ પઠાણ	૧૮૮	૧.૨૦	૧.૨૦
૩૦.	આરેફ યાકુબ પઠાણ	૧૮૮	૦.૮૦	૦.૮૦
૩૧.	શે. હસન શેખ મોહમ્મદ	૧૮૮	૦.૪૦	૦.૪૦
૩૨.	વિજયમાલા પાંડુરંગ બહિર	૨૧૭	૧.૪૪	૧.૪૦
૩૩.	બાબાસાહેબ બપ્પાજી બહિર	૨૧૭	૧.૨૭	૧.૨૦
૩૪.	ગણેશ કૃષ્ણ ઇરાળે	૧૭૩	૧.૬૧	૧.૬૦
૩૫.	લિંબાજી પાટિલબા ગાડે	૧૭૩	૦.૩૯	૦.૩૦
૩૬.	વ્દારકાબાઈ ભાગવત બાગલ	૧૭૩	૧.૦૧	૧.૦૦
૩૭.	નારાયણ ભાગવત ગાડે	૧૭૩	૦.૮૨	૦.૮૦
૩૮.	ગણેશ ભાગવત ગાડે	૧૭૩	૦.૮૨	૦.૮૦
૩૯.	જાવેદાબી મેહમદ શેખ	૧૨૮	૦.૫૫	૦.૫૦

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
४०.	दिपक बाबुराव चिमने	१२८	१.६९	१.६०
४१.	शे. दमबु शे. अहेमद	१२८	०.५६	०.५०
४२.	कल्पना श्रीराम शिंदे	१२८	०.४०	०.४०
४३.	बाळासाहेब गंगाराम शिंदे			
	अपाक गंगाराम भगवान	१२८	१.४९	१.४०
४४.	अर्चना दिपक चिमने	१२८	१.७०	१.७०
४५.	गणेश देविदास तेलकर	१७८	०.८३	०.८०
		एकूण	४६.८५	४५.६०
ओ.एल-१०ए/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अविनाथ राधाकृष्ण कुलकर्णी	१८४	१३.५५	१३.५०
२.	प्रकाश राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०९	१.५०	१.५०
३.	आप्पासाहेब पंडरीनाथ कळकटे	४०६	०.७९	०.७०
		एकूण	१५.८४	१५.७०
ओ.एल-११/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	नारायण रंगनाथ चौरे	३११	०.६२	०.६०
२.	श्रीहरी रंगनाथ चौरे	३११	०.६१	०.६०
३.	नारायण दादाराव शेटे	३७२	०.६०	०.६०
४.	परमेश्वर दादाराव शेटे	३७२	०.६०	०.६०
५.	शहादेव साहेबराव शेटे	३७२	०.८०	०.८०
६.	सचिन भाऊसाहेब कळकटे	३७२	०.५९	०.५०
७.	सुनिल शेषराव कळकटे	३७२	१.९९	१.९०
८.	गंगाधर सुर्यकांत कळकटे	३७२	०.८५	०.८०
९.	दत्ता भाऊसाहेब कळकटे	३७२	०.५९	०.५०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
१०.	श्रीमंत भाऊराव तायडे	३८२	१.२६	१.२०
११.	कैलास श्रीमंतराव तायडे	३८३	१.३७	१.३०
१२.	नारायण बापुराव तायडे	३८४	२.६०	२.६०
१३.	रामेश्वर लिंबा खोजे	३८४	०.७३	०.७०
१४.	चंद्रकला गुलाब तायडे	३८४	०.९९	०.९०
	कमल बापुराव तायडे			
	विमलबाई बापुराव तायडे			
१५.	शाहूराव सयाजी तायडे	३८४	०.५४	०.५०
१६.	शशिकलाबाई कचरु शेजुळ	३८४	०.३५	०.३०
	शाम कचरु शेजुळ			
	रामचंद्र कचरु शेजुळ			
१७.	सतिष बापुराव शिंदे	३८४	०.२२	०.२०
१८.	शाम कचरु शेजुळ	३८४	०.११	०.१०
१९.	भानुदास लिंबाजी खोजे	३८४	०.७३	०.७०
२०.	रामकुवर चत्रभूज तायडे	३८४	०.८०	०.८०
२१.	तात्या चत्रभूज तायडे	३८५	०.९०	०.९०
२२.	सुरेश शंकर कळकटे	३८५	०.८६	०.८०
२३.	सारिका सुरेशराव कळकटे	३८५	१.०८	१.००
२४.	केशव वैजीनाथ वायभट	३८५	०.८०	०.८०
२५.	विष्णु सोपान अवाड	३८५	०.४०	०.४०
२६.	रावन मनोहर अवाड	३८५	१.२०	१.२०
२७.	पाराजी नारायण खोजे	३८६	१.१३	१.१०
२८.	बळीराम विश्वनाथ खोजे	३८६	१.१४	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२९.	अंकुश रामजी पठाडे	३८८	०.२२	०.२०
३०.	किसन तुकाराम भोसले	३८८	०.८१	०.८०
३१.	गोविंद सुदाम पवार	३८८	१.४०	१.४०
३२.	विमलबाई गुलाबराव भोसले	३८८	१.२४	१.२०
३३.	शंकर सुदामराव पवार	३८८	१.४०	१.४०
३४.	सुधाकर कडुबा शेळके	३८८	०.६४	०.६०
३५.	भाऊसाहेब कडुबा शेळके	३८८	०.६०	०.६०
३६.	पार्वतीबाई बापुराव पठाडे	३८८	२.२०	२.२०
३७.	सावित्रा घनशाम शेजुळ	३८८	०.५१	०.५०
३८.	माधुरी राहूल घोडके	३८८	०.८०	०.८०
३९.	सोमित्रा गणेश घोडके	३८८	०.८०	०.८०
४०.	तुळशीराम एकनाथ शिंदे	३८९	०.२५	०.२०
४१.	ज्ञानेश्वर भानुदास शिंदे	३८९	०.६०	०.६०
४२.	सुवर्णा राजेंद्र शिंदे	३८९	०.४०	०.४०
४३.	सावता सुर्यभान बुलबुले	३९०	०.२०	०.२०
४४.	गंगासागर निवृत्ती शिंदे	३९०	०.३०	०.३०
४५.	मुक्ताराम आबाजी बुलबुले	३९०	०.४२	०.४०
४६.	साधु बन्सी बुलबुले	३९०	०.११	०.१०
४७.	शिवप्रसाद अंबादास भोपळे	३९०	०.४०	०.४०
४८.	राहूल रमेश घोडके	३९०	०.२०	०.२०
४९.	शोभाबाई नानाभाऊ भोकरे	३९०	०.४४	०.४०
५०.	रामेश्वर त्रिंबक बुलबुले	३३७	०.१८	०.१०
५१.	शुभम रामेश्वर बुलबुले	३३७	०.१८	०.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५२.	अभिषेक रामेश्वर बुलबुले	३३७	१.६०	१.६०
५३.	प्रल्हाद बाबासाहेब तायडे	३७६	०.६०	०.६०
५४.	आबासाहेब बाबासाहेब तायडे	३७६	०.८२	०.८०
५५.	कैलास श्रीमंतराव तायडे	३७६	०.८२	०.८०
५६.	संतोष गुलाबराव पांढरे	३७६	०.८०	०.८०
५७.	सखाराम निवृत्ती तायडे	३७६	०.१३	०.१०
५८.	शांताबाई किसन भोसले	३७६	०.४०	०.४०
५९.	अक्षय प्रल्हाद तायडे	३७६	०.६०	०.६०
	अपाक आई व्हारकाबाई			
६०.	भिमा काशीनाथ तायडे	३८१	०.७७	०.७०
६१.	गंगाधर काशीनाथ तायडे	३८१	०.७८	०.७०
६२.	जगन्नाथ पंजाराम खोजे	३८७	१.६०	१.६०
६३.	परमेश्वर आसाराम खोजे	३८७	०.७५	०.७०
६४.	शंकर आसाराम खोजे	३८७	१.१५	१.१०
६५.	पांडुरंग सुरेश खोजे	३८७	१.२०	१.२०
६६.	भिवाजी लक्ष्मण खोजे	३८७	०.८०	०.८०
६७.	निवृत्ती लक्ष्मण खोजे	३८७	०.८०	०.८०
६८.	अजिनाथ महादेव नैराळे	३८७	०.५५	०.५०
६९.	रेणुका परमेश्वर खोजे	३८७	०.४०	०.४०
७०.	दादासाहेब रावसाहेब कळकटे	४०३	१.१०	१.१०
७१.	आबासाहेब रावसाहेब कळकटे	४०३	०.९१	०.९०
७२.	सुभद्राबाई सावळाहरी खट	४१२	०.७०	०.७०
७३.	जनार्धन साहेबा दाबुक	४१२	१.१८	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
७४.	लक्ष्मण साहेबा दाबुक	४१२	०.६५	०.६०
७५.	भारती गणेश म्हस्के	४१२	०.२०	०.२०
७६.	साहेबराव काशीनाथ तायडे	३८०	०.७२	०.७०
७७.	विश्वनाथ काशीनाथ तायडे	३८०	०.७२	०.७०
७८.	मथुराबाई अंबादास भोपळे	१२७	०.५२	०.५०
७९.	येलाजी ज्ञानदेव खोजे	३६४	०.८१	०.८०
८०.	रावण भगवान शिंदे	३७३	०.८३	०.८०
८१.	प्रभाकर भानुदास कळकटे	३७३	०.२८	०.२०
८२.	शांताबाई किसन भोसले	३७३	२.४३	२.४०
८३.	वैजीनाथ काशीनाथ कळकटे	३७३	१.२३	१.२०
८४.	शाहील अरुण शेळके	३७३	०.३०	०.३०
	अपाक मनिषा अरुण			
८५.	अजिनाथ मोहन शिंदे	३७३	०.४१	०.४०
८६.	प्रदिप मोहन शिंदे	३७३	०.४१	०.४०
	एकुण	६६.०९	६३.८०	

ओ.एल-१२/वि-२३/पै.मु.डा.का.

१.	गुलाब कुंडलिकराव कळकटे	३९३	२.४५	२.४०
२.	मंजुषा बप्पासाहेब कळकटे	३९३	२.४५	२.४०
३.	दिलीप राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०७	१.५०	१.५००
४.	अविनाश राधाकृष्ण कुलकर्णी	४०८	१.४९	१.४०
५.	रावसाहेब राधाकृष्ण कुलकर्णी	४९०	१.५०	१.५०
६.	त्रिंबक नारायण बुलबुले	३३६	१.६०	१.६०
७.	रामेश्वर त्रिंबक बुलबुले	३३६	१.८०	१.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
८.	जवाहर मानसिंग गोयल	३०३	०.४२	०.४०
९.	चंपालाल भवानसिंग	३०३	०.४०	०.४०
१०.	नारायणसिंग भवानसिंग	३०३	०.४०	०.४०
११.	मोतीसिंग भवानसिंग गोयल	३०३	०.५५	०.५०
१२.	उमेश बापुसाहेब पुराणिक	४९८	२.६१	२.६०
१३.	रमेश बापुसाहेब पुराणिक	४९८	०.६१	०.६०
१४.	गणेश रमेश पुराणिक	४९८	१.००	१.००
१५.	शुभम रमेश पुराणिक	४९८	१.००	१.००
१६.	धोंडाबाई उमाजी राईज	४०४	०.२६	०.२०
१७.	तुळशीराम आश्रु राईज	४०४	०.२९	०.२०
१८.	उमाजी आश्रु राईज	४०४	०.२५	०.२०
१९.	शिताबाई संतोष राईज	४०४	०.२९	०.२०
२०.	भाऊसाहेब आश्रुबा राईज	४०४	.५५	०.५०
२१.	शिवकन्या गिरधारी कळकटे	४००	३.४६	३.४०
	एकुण	२४.८८	२४.२०	

ओ.एल-१३/वि-२३/पै.मु.डा.का.

१.	झुगराजी किसन खोजे	३३२	०.९१	०.९०
२.	गणेश विश्वनाथ खोजे	३३२	२.९०	२.९०
३.	पार्वताबाई बापुराव पठाडे	३३२	०.८१	०.८०
४.	दत्ता झुगराजी खोजे	३३२	०.६०	०.६०
५.	मारोती झुगराजी खोजे	३३२	०.६०	०.६०
६.	संदिपान बाबुराव घोडके	३९७	०.३१	०.३०
७.	नामदेव बाबुराव घोडके	३९७	०.३१	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
८.	राजेंद्र मनोहर घोडके	३९७	०.८९	०.८५
९.	कमल भगवान घोडके	३९७	०.८९	०.८५
१०.	कविता रमेश जाधव	३९७	०.२०	०.२०
११.	रामा शंकर कोपरे	३९८	२.४०	२.४०
१२.	सुभद्राबाई सावळाहरी खट	३९८	०.४०	०.४०
१३.	अर्जून रावसाहेब खोजे	३९८	०.८०	०.८०
१४.	लक्ष्मण शंकर कोपरे	३९९	२.००	२.००
१५.	प्रकाश त्रिंबक फोके	३९९	०.४०	०.४०
१६.	वृदांवनी विश्वनाथ खोजे	३९९	१.००	१.००
१७.	दगडाबाई रामा गायकवाड	३३५	०.९२	०.९०
१८.	विमलबाई रामा कावळे	३३५	१.२१	१.२०
१९.	ज्ञानदेव विठ्ठल बलहाळ	३३५	१.६७	१.६०
	रामकुवर परमेश्वर गोरे			
	कमल रामदास गायकवाड			
२०.	ज्ञानदेव विठ्ठल बलहाळ	३३५	१.२१	१.२०
२१.	भाऊ आणणा खोजे	३९४	१.८३	१.८०
२२.	विष्णु भाऊ खोजे	३९४	१.६०	१.६
२३.	सत्यभामा भाऊ खोजे	३९४	१.६०	१.६०
२४.	आसाराम विश्वनाथ शिंदे	२५४	०.९१	०.९०
२५.	कांता शहादेव शिंदे	२५४	१.२१	१.२०
२६.	रामेश्वर विश्वनाथ शिंदे	२५४	१.३५	१.३०
२७.	शरद भिवगजी शिंदे	२५४	१.००	१.००
२८.	राजेंद्र शहादेव शिंदे	२५४	१.२१	१.२०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२९.	चंद्रकला आसाराम शिंदे	२५४	०.५३	०.५२
३०.	भगवान लक्ष्मण जाधव	२५४	०.६०	०.६०
३१.	सुरेश पांडुरंग जोशी	३३४	०.४८	०.४०
३२.	सुखदेव रामकिसन खोजे	३३४	१.१६	१.१०
३३.	सावता सुर्यभान बुलबुले	३३४	०.६४	०.६०
३४.	सविता सुखदेव खोजे	३३४	१.००	१.००
३५.	विठ्ठल अंबादास बदाडे	३३४	०.४०	०.४०
		एकूण	३५.१५	३४.६०
मा. नं.-३/टेल-ब/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	शिवाजी भाऊसाहेब कळकटे	४१६	१.५१	१.५०
२.	संभाजी भाऊसाहेब कळकटे	४१६	१.५१	१.५०
३.	आप्पासाहेब पंढरीनाथ कळकटे	४१६	०.७९	०.७०
४.	मधुकर पंढरीनाथ कळकटे	४१६	०.७३	०.७०
५.	राजू ज्ञानदेव कळकटे	४१६	०.६८	०.६०
६.	धोंडाबाई उमाजी राईज	४०४	०.२५	०.२०
७.	तुळशिराम आश्रु राईज	४०४	०.२१	०.२०
८.	उमाजी आश्रु राईज	४०४	०.२५	०.२०
९.	शिलाबाई संतोष राईज	४०४	०.२१	०.२०
१०.	भाऊसाहेब आश्रुबा राईज	४०४	०.५८	०.५०
११.	सुर्यकांत त्रिंबक कळकटे	७८	२.८४	२.८०
१२.	वंदना सुनिल कळकटे	७८	२.००	२.००
१३.	कमल भाऊसाहेब कळकटे	७८	०.८०	०.८०
१४.	सतिन्द्राबाई शोषेराव कळकटे	७८	०.८३	०.८०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजल्गाव ता.घनसावंगी जि.जालना	गट	ला.ला.	मिजणारे	
	क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र	
१५.	अरुण बाबासाहेब कळकटे	६८	०.८७	०.८०
१६.	भागवत रामा ढोके	६८	०.९३	०.९०
१७.	जिजाबाई मधुकर कदम	६८	०.८९	०.८०
	बाळासाहेब मधुकर कदम			
	अशोक मधुकर कदम			
	मनिषा सुनिल चव्हाण			
	सुरेखा शिवाजी लाड			
१८.	हरीभाऊ श्रीपती खोजे	६८	०.३६	०.३०
१९.	बाळु मारोती माने	६८	१.००	१.००
२०.	मिनाबाई सुधाकर शेळके	६८	१.२०	१.२०
२१.	सरुबाई केशरबाई अंधारे	६८	०.६९	०.६०
२२.	अशोक अर्जूनराव खोजे	६६	०.२०	०.२०
२३.	भिमा भाऊ खोजे	६६	०.८०	०.८०
२४.	सोमित्रा भाऊ खोजे	६६	१.३४	१.३०
२५.	दिनेश भिमा खोजे	६६	१.३२	१.३०
२६.	राजेंद्र काकासाहेब खोजे	६६	१.३४	१.३०
२७.	रोहिणी शिवाजी कळकटे	४७५	१.५१	१.५०
२८.	सोनाली संभाजी कळकटे	४७५	१.५०	१.५०
	एकुण	२७.३०	२६.२०	
ओ.एल.-१४/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	नारायणसिंग भगवनसिंग	३३०	१.३९	१.३०
२.	वृद्दावणी विश्वनाथ खोजे	३३०	१.३९	१.३०
३.	राजेंद्र बाबासाहेब गायकवाड	३३०	०.६०	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
कपिलेश्वर पाणी वापर संस्था, भनंगजल्गाव ता.घनसावंगी जि.जालना	गट	ला.ला.	मिजणारे	
	क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र	
४.	भाऊसाहेब बाबासाहेब			
	गायकवाड	३३०	०.५९	०.५५
५.	राधा गणेश खोजे	३३०	०.८०	०.८०
६.	आण्णासाहेब रामकिसन खोजे	३३१	१.२८	१.२०
७.	रामकिसन विश्वनाथ खोजे	३३१	०.४०	०.४०
८.	विशाल आण्णासाहेब खोजे	३३१	१.००	१.००
९.	शिवाजी उमाजी शेळके	३९६	०.४०	०.४०
१०.	बाबू विश्वनाथ खोजे	३९६	०.६०	०.६०
११.	चंद्रकला बाबुराव खोजे	३९६	०.६०	०.६०
१२.	संतोष उमाजी शेळके	३९६	०.४१	०.४०
१३.	शमीम बी शे. जावेद	३९६	०.४०	०.४०
१४.	गंगाधर हरी घोडके	३९५	०.७३	०.७०
१५.	नारेश्वर अर्जून खोजे	३९५	०.९२	०.९०
१६.	अर्जून रावसाहेब खोजे	३९५	०.२०	०.२०
१७.	अंकुश रामजी पठाडे	३८८	०.२२	०.२०
१८.	किसन तुकाराम भोसले	३८८	०.८१	०.८०
१९.	गोविंद सुदाम पवार	३८८	१.४०	१.४०
२०.	विमलबाई गुलाबराव भोसले	३८८	१.२४	१.२०
२१.	शंकर सुदामराव पवार	३८८	१.४०	१.४०
२२.	सुधाकर कडुबा शेळके	३८८	०.६४	०.६०
२३.	भाऊसाहेब कडुबा शेळके	३८८	०.६०	०.६०
२४.	पार्वतीबाई बापुराव शेजुळ	३८८	०.५९	०.५०
२५.	माधुरी राहूल घोडके	३८८	०.५०	०.५०

વિમોચકવાર લાભધારક યાદી					
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભનંગજળગાવ તા.ઘનસાવંગી જિ.જાલના	અ.ક્ર.	લાભારકાચે નાવ	ગટ	લા.લા.	મિજણારે
		ક્ર.	ક્ષેત્ર	ક્ષેત્ર	
૨૬.	સોમિત્રા ગણેશ ઘોડકે	૩૮૮	૦.૮૦	૦.૮૦	
૨૭.	બાબાસાહેબ નિવૃત્તી ગાયકવાડ	૩૩૩	૧.૪૪	૧.૪૦	
૨૮.	સુનિલ નાના ગાયકવાડ	૩૩૩	૦.૭૧	૦.૭૦	
૨૯.	નિખીલ શરદ ગાયકવાડ	૩૩૩	૦.૭૨	૦.૭૦	
	અપાક જનાબાઈ ગાયકવાડ				
		એકુણ	૨૨.૭૮	૨૨.૭૫	
ઓ.એલ.-૧૫/વિ-૨૩/પૈ.મુ.ડા.કા.					
૧.	સંજિવની યલાજી ખોજે	૩૦૬	૧.૧૦	૧.૧૦	
૨.	બાબુરાવ વિશ્વનાથ ખોજે	૩૦૬	૧.૨૦	૧.૨૦	
૩.	વિષ્ણુ સાળીકરામ બુલબુલે	૩૦૭	૧.૨૦	૧.૨૦	
૪.	આબાસાહેબ બાબાસાહેબ તાયડે	૩૦૭	૦.૨૦	૦.૨૦	
૫.	ગોવિંદ સુદામરાવ પવાર	૩૦૭	૦.૪૦	૦.૪૦	
૬.	મિનાબાઈ અશોક હિંગને	૩૦૭	૦.૬૪	૦.૬૦	
૭.	લિલાવતી બાબાસાહેબ તાયડે	૩૦૭	૦.૨૦	૦.૨૦	
૮.	મિના જવાહરલાલ ગોયલ	૩૦૭	૧.૪૦	૧.૪૦	
૯.	ગણેશ જવાહરલાલ ગોયલ	૩૦૭	૧.૦૦	૧.૦૦	
૧૦.	દિનેશ જવાહરલાલ ગોયલ	૩૦૭	૧.૦૦	૧.૦૦	
૧૧.	ઉમેશ જવાહરલાલ ગોયલ	૩૦૭	૧.૦૦	૧.૦૦	
૧૨.	જવાહરલાલ માનસિંગ ગોયલ	૩૦૭	૧.૪૬	૧.૪૦	
૧૩.	અભિમન્યુ ચંદ્રભાન ખોજે	૩૦૮	૧.૦૪	૧.૦૦	
૧૪.	ધોડિરામ ચંદ્રભાન ખોજે	૩૦૮	૧.૦૪	૧.૦૦	
૧૫.	પાંડુરંગ ધોડિરામ ખોજે	૩૦૮	૧.૩૭	૧.૩૦	
૧૬.	અત્રપૂર્ણ શિવાજી ઉઢાણ	૩૦૮	૦.૨૮	૦.૨૦	

વિમોચકવાર લાભધારક યાદી					
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભનંગજળગાવ તા.ઘનસાવંગી જિ.જાલના					
કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભનંગજળગાવ તા.ઘનસાવંગી જિ.જાલના	અ.ક્ર.	લાભારકાચે નાવ	ગટ	લા.લા.	મિજણારે
		ક્ર.	ક્ષેત્ર	ક્ષેત્ર	
૧૭.	કૈલાસ આશ્રુ પોહેકર	૩૦૧	૧.૭૯	૧.૭૦	
૧૮.	કૈલાસ ભગવાન જાધવ	૩૦૧	૦.૮૧	૦.૮૦	
૧૯.	શ્રીરંગ ઇંદરરાવ ચૌરે	૩૦૨	૧.૨૬	૧.૨૦	
૨૦.	સચિન પાંડુરંગ ચૌરે	૩૦૨	૦.૮૦	૦.૮૦	
૨૧.	ગણેશ પાંડુરંગ ચૌરે	૩૦૨	૦.૮૦	૦.૮૦	
૨૨.	રાજેંદ્ર બાબાસાહેબ ખોજે	૩૦૨	૦.૪૦	૦.૪૦	
૨૩.	કિશકિંદા બાબાસાહેબ ખોજે	૨૯૭	૧.૩૫	૧.૩૦	
	વિદ્યા જ્ઞાનેશ્વર અભંગ				
	ઉષા પરમેશ્વર સાતપુતે				
	મુદ્રીકા મહેશ ખોજે				
	ગોવાવરી પ્રકાશ ખોજે				
૨૪.	કૌશલ્યાબાઈ ભ્ર. ભગવાન				
	જાધવ	૨૫૩	૧.૨૩	૧.૨૦	
૨૫.	ભગવાન લક્ષ્મણ જાધવ	૨૫૩	૧.૨૧	૧.૨૦	
		એકુણ	૨૪.૯૮	૨૪.૪૦	
ઓ.એલ.-૧૬/વિ-૨૩/પૈ.મુ.ડા.કા.					
૧.	સુરેશ રામરાવ ખોજે	૨૩૬	૦.૬૧	૦.૬૦	
૨.	સુરેશ રામરાવ ખોજે	૨૨૯	૦.૨૧	૦.૨૦	
૩.	રાધા ગણેશ ખોજે	૨૨૯	૦.૧૧	૦.૧૦	
૪.	ચંદ્રકલા લક્ષ્મણ ખોજે	૨૩૨	૦.૨૨	૦.૨૦	
	રામેશ્વર લક્ષ્મણ ખોજે				
	કપિલેશ્વર લક્ષ્મણ ખોજે				
	પરમેશ્વર લક્ષ્મણ ખોજે				

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५.	संतोष कुंडलिक खोजे	२३२	०.४०	०.४०
६.	प्रेमिलाबाई सुरेश जोशी	२५१	२.७१	२.७०
७.	अन्ना गणपती हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
८.	गणेश भाऊसाहेब हिंगणे	२५०	१.३६	१.३०
९.	राहूल भाऊसाहेब हिंगणे	२५०	१.३६	१.३०
	महाराष्ट्र शासन	२५०	१.०९	१.००
१०.	अशोक आण्णा हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
११.	वसंत आण्णा हिंगणे	२५०	०.६८	०.६०
१२.	भागवत आण्णा हिंगणे	२५०	०.२८	०.२८
१३.	मिनाबाई अशोक हिंगणे	२५०	०.४०	०.४०
१४.	परमेश्वर कांता शिंदे	२४५	०.२१	०.२०
१५.	चंद्रकला यशवंत ढेंभरे	२४४	१.२५	१.२०
१६.	अभिमान्य चंद्रभान खोजे	२४३	०.३०	०.३०
१७.	भागवत साहेबराव खोजे	२४३	१.६७	१.६०
१८.	रामभाऊ हरीभाऊ शिसोदे	२४३	१.६०	१.६०
१९.	लक्ष्मण साहेबराव खोजे	२४३	१.६७	१.६०
२०.	शंकर साहेबराव खोजे	२४३	१.६८	१.६०
२१.	वैष्णवी विष्णु खोजे	२४३	०.४६	०.४०
२२.	मथुराबाई आप्पासाहेब खोजे	२४३	०.६०	०.६०
२३.	कांता शहादेव शिंदे	२४२	०.९८	०.९५
२४.	धनंजय नामदेव खोजे	२४२	०.३०	०.३०
२५.	विकास बंडु खोजे	२४२	०.६०	०.६०
२६.	अतुल अरुणराव पुराणिक	२४२	०.९०	०.९०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
२७.	भिका शहादेव शिंदे	२४१/१	०.५५	०.५०
२८.	उत्तम शहादेव पुराणिक	१९८	२.००	२.००
२९.	राजू विश्वनाथ पुराणिक	१९८	१.७२	१.७०
३०.	विश्वनाथ शहादेव पुराणिक	१९८	१.२०	१.२०
३१.	शिवाजी एकनाथ तायडे	१९८	१.१०	१.००
३२.	विनोद विश्वनाथ पुराणिक	१९८	०.८०	०.८०
३३.	अमोल अरुणराव पुराणिक	१९८	१.००	१.००
३४.	दिपाली अतुल पुराणिक	१९८	१.००	१.००
३५.	अनिता अर्जून खोजे	२०३	०.४०	०.४०
३६.	अर्जून रावसाहेब खोजे	२०३	१.००	१.००
३७.	विश्वंभर कुंडलिक खोजे	२०३	०.४३	०.४०
३८.	तुकाराम सखाराम खोजे	२१६	०.७२	०.७०
३९.	राजेंद्र गंगाधर चौरे	२४६	०.५१	०.५०
४०.	दिगंबर यशवंत ढेंभरे	२४९	०.६०	०.६०
४१.	गुलाब श्रीमंत खापे	२५६	१.६५	१.६०
४२.	गणेश श्रीमंत खापे	२५६	१.६०	१.६०
४३.	अशोक गुलाब खापे	२५६	१.२०	१.२०
४४.	अनिकेत बाबासाहेब खापे	२५६	१.६१	१.६०
४५.	निर्मला गणेश खापे	२५६	१.४०	१.४०
४६.	भानुदास साहेबराव खोजे	२८३	०.९१	०.९०
४७.	मनोहर साहेबराव खोजे	२८३	०.४५	०.४०
४८.	गणेश मनोहर खोजे	२८६	०.६९	०.६०
४९.	कैलास मनोहर खोजे	२८३	०.६५	०.६०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५०.	देविलाल बाबासाहेब खापे	२८५	०.८०	०.८०
५१.	आसाराम दादा खापे	२८५	१.५०	१.५०
५२.	जनार्धन दादा खापे	२८५	१.५०	१.५०
५३.	बाबासाहेब दादा खापे	२८५	०.२०	०.२०
५४.	दत्तात्रय आपासाहेब खापे	२८५	१.५१	१.५०
	शंकर साहेबराव खोजे			
५५.	ज्ञानेश्वर राजेंद्र शिंदे	२८५	०.५०	०.५०
	महाराष्ट्र शासन	४२८	१.७४	१.७०
५६.	कसतुराबाई आत्माराम			
	लिंबकर	४२८	०.६९	०.६०
५७.	व्दारकाबाई आणणा सिरसरकर	४२८	०.६९	०.६०
		एकुण	५४.३३	५२.७३
ओ. एल.-१७/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	अंबादास दिपाजी गायकवाड	२०४	२.६२	२.६०
२.	रामनाथ हनुमंता जाधव	२०४	०.८१	०.८०
३.	दिलीप शामराव खोजे	२०५	०.९१	०.९०
४.	शंकर रामनाथ खोजे	२०५	०.८१	०.८०
५.	प्रभाकर भिमा खोजे	२०६	१.०७	१.००
६.	सुभद्राबाई एकनाथ खोजे	२०६	०.४०	०.४०
७.	किर्ती आशोक खोजे	२०६	०.२०	०.२०
८.	रामराव दिगंबर कुलकर्णी	२०७	१.२९	१.२०
९.	एकनाथ दिपाली गायकवाड	२१२	१.१०	१.००
१०.	निर्मला दगंबर तायडे	२१२	१.१२	१.१०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	मिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
११.	एकनाथ दिपाजी गायकवाड	२११	१.७०	१.७०
१२.	आणणसाहेब पांडुरंग खोजे	२१३	१.१३	१.१०
१३.	ज्ञानेश्वर लक्ष्मण खोजे	२१३	०.९५	०.९०
१४.	गंगासागर शंकर खोजे	२१३	०.४०	०.४०
१५.	डिगांबर शंकर खोजे	२१३	०.९३	०.९०
१६.	लिंबाजी शंकर खोजे	२१७	०.४२	०.४०
१७.	चंद्रकला एकनाथ गायकवाड	२१७	१.२१	१.२०
१८.	परमेश्वर कांता शिंदे	२१८	०.२६	०.२०
१९.	निर्मला दिगंबर तायडे	२०२/१	०.२०	०.२०
२०.	विश्वंबर कुंडलिक खोजे	२०२/१	०.३२	०.३०
२१.	नारायण श्रीभाऊ खोजे	२०२/२	०.३६	०.३०
२२.	हरिभाऊ श्रीभाऊ खोजे	२०२/२	०.३७	०.३०
२३.	श्रीभाऊ रावसाहेब खोजे	२०२/२	१.८७	१.८०
२४.	नंदकिशोर रामकिसन पिंगळे	१२९	०.५४	०.५०
२५.	सुरेश रामकिसन पिंगळे	१२९	०.५३	.५०
२६.	रामकिसन कोंडिबा मेटे	१२४	०.६२	०.६०
२७.	श्रीकिसन कोंडिबा मेटे	१२४	१.०६	१.००
२८.	हिरामन कचरु शोळके	१२०	०.४७	०.४०
२९.	किसन हरीभाऊ बुलबुले	१३२	०.३३	०.३०
३०.	किसन हरीभाऊ बुलबुले	१३३	०.११	०.१०
३१.	प्रभाकर कृष्णराव	१४३	०.२०	०.२०
३२.	सुशिलाबाई नारायणराव	१४३	१.००	१.००
३३.	नारायणराव विठ्ठलराव	१४३	१.१०	१.१००

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
३४.	देवरथान इमान	१४४	११.४६	११.४०
३५.	ज्ञानेश्वर किसन भोसले	१४६	३.१४	३.१०
३६.	ज्ञानेश्वर बन्सी खोजे	१४६	३.५३	३.५०
३७.	किशोर बाबासाहेब तौर	१४६	३.१४	३.१०
३८.	अकांक्षा ज्ञानेश्वर खोजे	१४६	०.५०	०.५०
३९.	शंकर रामनाथ खोजे	१४९	०.४५	०.४०
४०.	परमेश्वर चंद्रकांत बुलबुले	१४९	०.४०	०.४०
४१.	रमेशा सोपान बुलबुले	१५५	०.४०	०.४०
४२.	शाळीकराम देवराव बुलबुले	१५५	०.५१	०.५०
४३.	मोहन भिमसेन बुलबुले	१५५	०.५४	०.५०
४४.	गणेश चंद्रकांत बुलबुले	१५९	०.४०	०.४०
	रमेश चंद्रकांत बुलबुले			
परमेश्वर चंद्रकांत बुलबुले				
	पपेक्ष चंद्रकांत बुलबुले			
	सत्यशिला चंद्रकांत बुलबुले			
४५.	त्रिंबक काशिनाथ राऊत	१५९	१.४८	१.४०
	पुंजाराम काशिनाथ बुलबुले			
४६.	हौसाबाई बापुराव खोजे	२००	०.९०	०.९०
४७.	शंकर रामनाथ खोजे	२०५	०.८१	०.८०
४८.	शिवाजी दिगंबर कुलकर्णी	२०८	१.२२	१.२०
४९.	लिंबाजी रखमाजी खोजे	२१७	०.४२	०.४०
५०.	चंद्रकला एकनाथ गायकवाड	२१७	१.२१	१.२०
५१.	प्रभाकर रंगनाथ खोजे	२४०	०.३०	०.३०

विमोचकवार लाभधारक यादी				
अ.क्र.	लाभारकाचे नाव	गट	ला.ला.	भिजणारे
		क्र.	क्षेत्र	क्षेत्र
५२.	सुवर्णा वसंत खोजे	२९६	१.००	१.००
५३.	बळीराम रामेश्वर खोजे	२९६	०.४७	०.४०
५४.	श्री शंकर देवरथान	२३७	५.०७	५.००
५५.	उत्तम रामभाऊ कुंभार	४२८	०.६८	०.६०
५६.	पांडुरंग कोंडिबा कोल्हापूरे	४२८	०.१७०	०.१७०
५७.	लक्ष्मी शाम सिरसकर	४२८	२.१०	२.१०
५८.	राधा गणेश खोजे	२३०	०.३२	०.३०
५९.	परमेश्वर कांता शिंदे	२४७	०.२२	०.२०
६०.	सुरेश रामराव खोजे	२३५	०.१३	०.१०
		एकुण	६७.११	६५.४०
ओ.एल.-१८/वि-२३/पै.मु.डा.का.				
१.	पार्वतीबाई कुंडलिक खोजे	१९०	०.४१	०.४०
२.	रामेश्वर ज्ञानदेव चौरे	१९०	०.९६	०.९०
३.	विष्णुल बापुराव शिंदे	१९०	०.४०	०.४०
४.	शिवाजी ज्ञानेदव चौरे	१९०	०.८९	०.८०
५.	दामोधर मुरलीधर चौरे	१९०	०.४२	०.४०
६.	धोंडिभाऊ बुलबुले	१९०	०.६३	०.६०
७.	परमेश्वर भाऊसाहेब खोजे	१८८	०.६१	०.६००
८.	रामा भाऊसाहेब खोजे	१८८	०.४०	०.४०
९.	सुलोचना रामा खोजे	१८८	०.४०	०.४०
१०.	सिताबाई पंडीत खोजे	१८८	०.३६	०.३०
११.	महादेव बन्सी खोजे	१८८	०.४३	०.४०
१२.	नारायण आनंदराव खोजे	१८८	१.३९	१३०

કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભનંગજલ્ગાવ તા.ઘનસાવંગી જિ.જાલના				
અ.ક્ર.	લાભારકાચે નાવ	ગટ	લા.લા.	મિજણારે
	ક્ર.	ક્ષેત્ર	ક્ષેત્ર	
૧૩.	સંગિતા નારાયણ ખોજે	૧૮૮	૧.૩૯	૧.૩૦
૧૪.	રામા આનંદરાવ ખોજે	૧૮૮	૦.૪૦	૦.૪૦
૧૫.	સિતા મહાદેવ ખોજે	૧૮૮	૨.૬૭	૨.૬૦
૧૬.	અરુણા અવિનાશ બોબડે	૧૯૪	૦.૫૦	૦.૫૦
૧૭.	અવિનાશ સખારામ બોબડે	૧૯૪	૧.૦૨	૧.૦૦
૧૮.	નારાયણ શ્રીભાઈ ખોજે	૧૯૪	૦.૧૦	૦.૧૦
૧૯.	રામા આનંદરાવ ખોજે	૧૯૪	૦.૩૨	૦.૩૦
૨૦.	હરીભાઈ શ્રીભાઈ ખોજે	૧૯૪	૦.૧૦	૦.૧૦
૨૧.	સંગિતા ભગવાન પિંગળે	૧૯૪	૦.૨૯	૦.૨૦
૨૨.	આસરાબાઈ બાબાસાહેબ શિંદે	૧૯૪	૦.૩૦	૦.૩૦
૨૩.	બાબાસાહેબ બાપુરાવ શિંદે	૧૯૪	૦.૫૦	૦.૫૦
૨૪.	નારાયણ રામભાઈ શિંદે	૧૯૩	૦.૨૦	૦.૨૦
૨૫.	હરીભાઈ શ્રીભાઈ ખોજે	૧૯૩	૦.૨૦	૦.૨૦
૨૬.	અંકુશ ભાઈરાવ આઠવે	૧૯૩	૦.૬૦	૦.૬૦
૨૭.	ઝંડુબાઈ અંકુશ આઠવે	૧૯૩	૦.૪૦	૦.૪૦
૨૮.	રામ આનંદરાવ ખોજે	૧૯૩	૦.૮૬	૦.૮૦
૨૯.	સ્વાતી રામ ખોજે	૧૯૩	૦.૮૫	૦.૮૦
૩૦.	મહાદેવ બન્સી ખોજે	૧૯૧	૧.૧૩	૧.૧૦
	બન્સી બાપુરાવ ખોજે			
	સત્યભામાબાઈ બન્સી ખોજે			
૩૧.	સત્યભામાબાઈ બન્સી ખોજે	૧૯૧	૦.૯૩	૦.૯૦
૩૨.	રાજેંદ્ર આનંદરાવ ખોજે	૧૯૧	૧.૧૪	૧.૧૦
૩૩.	જ્ઞાનેશ્વર બન્સી ખોજે	૧૯૧	૧.૦૦	૧.૦૦

કપિલેશ્વર પાણી વાપર સંસ્થા, ભનંગજલ્ગાવ તા.ઘનસાવંગી જિ.જાલના				
અ.ક્ર.	લાભારકાચે નાવ	ગટ	લા.લા.	મિજણારે
	ક્ર.	ક્ષેત્ર	ક્ષેત્ર	
૩૪.	સાવિતા રાજેંદ્ર ખોજે	૧૯૧	૧.૧૩	૧૧૦
૩૫.	આશાબાઈ સોપાન ચૌરે	૧૮૭	૦.૫૨	૦.૫૦
૩૬.	ગંગાધર દગડુ ચૌરે	૧૮૭	૧.૫૨	૧.૫૦
૩૭.	વિષ્ણુ સોપાન ચૌરે	૧૮૭	૦.૭૫	૦.૭૦
૩૮.	હરીચંદ્ર દગડુ ચૌરે	૧૮૭	૦.૭૭	૦.૭૦
૩૯.	જ્ઞાનદેવ દગડુ ચૌરે	૧૮૭	૦.૭૬	૦.૭૦
૪૦.	ગણેશ ચંદ્રકાંત બુલબુલે	૧૮૭	૦.૫૬	૦.૫૦
૪૧.	નારાયણ દગડુ પિંગળે	૧૮૭	૦.૮૦	૦.૮૦
૪૨.	જયરામ કિસન ગાયકવાડ	૧૬૮	૧.૦૦	૧.૦૦
૪૩.	મોહન કિસન ગાયકવાડ	૧૬૮	૦.૬૮	૦.૬૦
૪૪.	સુનિલ જયરામ ગાયકવાડ	૧૬૮	૧.૧૦	૧૧૦
૪૫.	બાબાસાહેબ જયરામ ગાયકવાડ	૧૬૮	૧.૦૦	૧.૦૦
૪૬.	પ્રદિપ મોહન ગાયકવાડ	૧૬૮	૨.૦૦	૨.૦૦
૪૭.	સંદીપ મોહન ગાયકવાડ	૧૬૮	૨.૦૦	૨.૦૦
૪૮.	નારાયણ ગંગાધર પદ્ધળ	૧૧૮	૦.૩૯	૦.૩૦
૪૯.	નામદેવ રંગનાથ અંભોરે	૧૪૭	૦.૬૦	૦.૬૦
૫૦.	સખુબાઈ આનંદરાવ ખોજે	૧૪૭	૨.૦૧	૨.૦૦
૫૧.	રંગનાથ નામદેવ અંભોરે	૧૪૭	૧.૦૦	૧.૦૦
૫૨.	તુકારામ રંગનાથ અંભોરે	૧૪૭	૦.૨૦	૦.૨૦
૫૩.	રામા નામદેવ અંભોરે	૧૪૭	૧.૦૧	૧.૦૦
		એકુણ	૪૪.૨૦	૪૨.૬૦
		સર્વ એકુણ	૭૧૦.૦૨	૭૬૭.૫૭